वेदान्तभट्टाचार्यपं चनद्युपाह्व गद्दु
लादशर्मण

॥विवाहकिरिति॥ अंक

पत्र १५

१

१ श्रीगोपीजनवल्लभायनमः॥ अथविवाहादिप्रस्तावकी
रीतिलिखियतहे पुण्याहवाचनकेवलहोय तादिन
श्चानीहोययजमानकेश्वशुरपक्षहोंयतेपहरावनीदेहि
विवाहकेपहलेवरातआवेतादिन अग्यानीहोयताकीरी
ति॥ वरातकेसाम्हेजायकेंलिवायआवेंकन्याकोपितान
जाय ओरकन्याकेसंबंधीहोंयसोजायकाहूहवेलीमेंरा
खेपाछेंरात्रिमेंवरकेइहांसभाहोयकन्याकेंसंबंधीहों
यतेकन्याकेइहांआवें॥ पीछेंवरकेवहांसभाजुडेपीछेंक

न्याकेसंबंधीहोंयतेजायकेवरकोंबुलायआवे नगारागी
तवादित्रवारेकन्याकेपिताकीओरतेहोंय तथामसाल
ओरसव ओरसबकन्याकेपिताकीओरतेहोंय सेहरा
हूंहोय पीछेवरआवे तासमेंवरघरलेंचलेतवस्त्रिनो
मिमीनाइत्यादिकपढैसगरे॥ओरवरसेहरावांधिकेंचले
पीछेघोडापरअसवारह्रोयकेकन्याकेपिताकेघरआवे आ
गेपुरुषव्यक्ति पीछेबहूबेटी ओंसीरीतिसोआवे वरचले
तवरु०१ त० नारियल १ हाथमेंराखे तासमेकन्याकेसं

बंधीन· कन्याकोपिताओरकन्याकीमाताप्रभृतिसवसंबंधी
२ स्त्रीजनद्वारापेठाडेरहे।एकएहवातीस्त्रीकेमाथेकलशर
हे एकछोटोघडापानीकोताकेऊपरकूल्हडा१ पानीकोभ
र्योनापरनारियल १ कूल्हडामेआंबकेपतुवाबडूनसे
ओरअतीलेकेकन्याकीमाताठाडीरहे आतीमेंदहीचोंवर
मिलायकेंघरे वरकोउठायवेकेलियेंशाल१ पासराखे
शालकीशक्तिनहोयतोपाठकोउपर्णाराखे कछुगेहना
हूंयथा शक्तिवरकूंदे तथाओरकन्याकेसंबंधीहोयते २

उपर्णापाठके अथवायथाशक्तिकेसरीसूनरू॥ पीछेवरघो
डापेंतेउतरिकेआवेरू॰१ कलशामेंडारे पीछेउपाध्यायहो
यसो आवकेपतुवासहितकूकुडाहा मे लेके अभिषेक
करे समुद्रज्येष्ठापाठके॥ ओरकुज्ञातिकेसंबंधीहोंयते
ओरकन्याकीओरकेहोयतेहे अभिषेककरावे पीछेसा
सुथिरमाउठावे ओरकन्या ओरकेसंबंधीहोंयते उपर्णाउ
ठावे पीछेसास आर्तीकरेचावरवारे पीछेंसमधिनकोसा
म्हीजायकेबुलायलावे पीछेभीतरजायकेडुलहनिकोवर

३ कीमाताप्रभृतिसबगोदकेहीमाडीचोलीकछुगहेनाययथाश
क्तिदेंहि तहांनाईवरप्रभृतिसबज्ञातिकेंनसहितदरवाजे
बाहिरहीबैठरहे उहांहीसबकोतिलकहायस॰पारीदेनी
दक्षिणानदैनांभीतरबहूबैठानकेपेंऊंचेपीछेंबहूबेटीनको
साथलेकेपहिलोंकीनोंइघर आवेसहरावडाकरे ज्ञातिकें
नकोरांहमेंतेहींनमस्कारकरेंतापीछेंवरकोपितासबनसोपना
पुरीखायवेकीविज्ञप्तिकरे पीछेंकन्याकोंपितावरके इहांयथा
शक्तिसीधापठावे शाकतथासाठाकेदिनहोंयतेसांठाकीफो
३

दी १ ओर कोंकडी खबर बूजा के दिन होय तो पठावे तेलघी
चून वेसन घोडा बेलन कूं खवायवे को दाणा पठावे ओर पू
री मिठाई की तथा चून की शाक सोय चार लोन पीस्या ओर प
नाइन जो पठावे ॥ सामलीमगाद रु० रोक १५ शक्ति होय तो
नहीं तो यथाशक्ति रु० ५) वा १०) पठावे रोक रुपैया आ
ग्या नी सूं दूने बद्धी कूं ओर बद्धी सूं दूने वडी पठोनी कूं पठा
ये चहिये ॥ व[illegible]डी सब पापड झूप ठावे पीछे वर को पिता
सब ज्ञातिकेन साहित पूरी पना खायवे कूं बेठे पूरी पना खा

४ येपीछेसबनकोसुपारीदेनमस्कारकरेपीछेसगरे आपके
घरजांयकंन्याकेसंबंधीहोंयतेकन्याकेपिताकेइहाँपूरीखा
यवेकूंरहे एकहीगाममेंहोंयतो आग्योनीकनावकनहे ओर
आग्योनीदिनसामकूंदोइजनेंज्ञातिकेबुलावादेवेकोजाहि
अक्षतविनाही अगोनीदेखिवेकोतथापनापूरीखायवे
कोदोऊओरतेंबुलामेरात्रिकोंदेखिवेकोबुलायवेको अ
थवाकोइब्राह्मणबुलायवेकोजाय॥ अगोनीभयेपीछे
आछोमुहूर्तहोयताद्दिनदोऊठोरगणेशबेठनाकीरीति॥ . ४

ओर पाछे दुलहनिके इहां गणेश बैठे पीछे वरके ईहां गणे
शबैठें गणेश बैठें ता दिन एक सिल छोटी पथ्थर की वनवा
इ होय ताके ऊपर गोवर की गौरि तथा गणेश वनावे कुंकुम
अक्षत सिंदूर सों पूजा करे सिंघोडा की वंटी २ लंबी संदुर की
भरी तामें ते सिंदूर ले संबंधी वहू वेटी मिलिके गणेश बैठ
ता दिन वारिन बुलायवेको जाय स्त्रीजननको अक्षत लेके
पीछे सम भये पीछे ओरको ईबठ रुलनी बुलायवेको जाय।
पीछे गणेशपूजा कीये पीछे गिंदोडा वनासा जो कछु ज्ञाति

५ मेंवटे सो भोगधरे गणेशकूं गुड भोगधरे गोरिकी मिलत
था लो दाहर दी सेंगें। वाहीं दिनवरके इहां तिल चांवरी वटे
पीछे गणेशको लेके गांवन सारी मिलिके मट मागन कूं मा
टीलेवेको जांहि॥ पीछें गावत गावत गावत घर आवे कला
हीको मुहूर्त वाही दिन होय मान्य होय सो कलाहीको मुहूर्त
करें। पुरोत ४ होयता में चावर पांचसेर गुडकी डेली छोटी ५
गुसांईको इहां रु॰ १ रोकभट्टन के इहां॥ रोकप्रत्येक पुरो
तमें होय पुरोत्त १ गणेशाके आगे धरे त॰ पुरोत १ कला ५

हीको येदोऊ मान्यकोनें ग ओरपुरोत १ टोलवारीनको
पुरोत १ कुम्हारीको पापडवडीको मुहूर्त्त वाही दिन होय
अ गोनीपहिले गणेशानवेठे। वाही दिंन टोलवेठे गीत
गानको आरंभ वाही दिनहोय मटमागनको माटीराखि
छोडे। वद्दीके दिन चौंनरामें लगेथोडीसी मेचणुनमेभरे
अंकुरार्प्पणके॥ तापीछे आछो दिन होय ता दिन ग्रहशांति
होय। ग्रहशांतीजरूरी होय एकदिन दोऊ ठिकाणे होय
जरू दोमुहूर्त्तनवनतो। ग्रहशांतिमें जोहोय सो मान्यकोने

६ गओर पूर्णाहुतीके समे सगेनको देखवे कोबुलावे जेंवेको
रूबुलावे। ग्रहशांतिको सगेंनको भोजन होय सामग्रीमग
दहोय॥ तापीछे प्रथमविवाहहोयतोसमावर्तनहोय। तादिन
सभासमें सालोआवे सामरूथिर मासाथले जावरूसेपीछे
सासरू समावर्त्तनदेखिवेंको आईहोयताकोनमस्कारकरि
वेकोजायलवशालउटावेसासु॥ ओररूसेतासमेंपरदनी१
हरदीकीरगीकोरकी ताकोमुडेसावांधिकेऊपसेहरावाधे॥
पाछेरूसिकें चलेनवसारोमनायकेलेआवे॥ समावर्त्तन ६

कोनेगसगरोउपाध्यायकोहेमान्यकोनही। समावर्त्तनको
भोजहोयसामग्रीसेवकेलडुवा॥ सगरेज्ञातिकेंनकेंनको
भोजनकूंबुलावे॥ तादिनसोकर्य्यनहोयतोओरदिनकरे।
समावर्त्तनकेदिनडाढीसम्हरायेपीछेगउगाउीसोस्नान
होय। पट्टापरपटोरापीरीजोकछुविछ्योहोयसोनाउ
कोनेग॥ ओरगेहूंसेर ५) गुडकीडेली ५ त० गुसाईनके
रु० ११) रोकभट्टनरु०।) धरे। सोनाइकोनेग। ओरसमावर्त
नकेदिनवरकेइहांकेबुलावाआवेतयकन्याकोपिताजाय।

७ मानाजायदेखिवेकोन• कन्याकेसंबंधनेछो[illegible]टेहोयतेजाय॥
आछोमुहूर्त्तदेखिकेनिश्चयतांबुलकरनोताकीरीति॥तीस
रेपहरनिश्चयतांबूलदेखिवेकोबुलावाज्ञातिकेमनुष्यहो
यजाय पीछेरात्रिकोनिश्चयतांबूलहोय॥ नवनाउमसा
सवारेबुलायकूजांय।स्त्रीजनकोबुलावावारिनदेआवे॥
पीछेप्रस्तावकेसमेओरकोईटलनीजाय।तापीछेवरके
इहांसमाजूडे।कन्याकेसंबंधीहांयतेकन्याकेइहांक[illegible]
जांयवरकेइहांधारीकांसेकीयथाशक्ति[illegible]वेउनमेंमिठा ७

ला

३धरे। त॰१ नारियल गोटात॰१ मेवीडाओरमेवानकीथा
शीबऊत्तओरसांठाकीफांदी १ जोसाठेकेदिनहोयतो॥
विवाहकोंचोतरावन्योहोयतापरसवथारीधरें चोतराके
नीचेसवज्ञातिकेबेठे कन्याकेरू ३हांऐसेहीविछो
नायकेवेठेगंधाक्षतकीथारीआचनमकीलोटी। चोंत
राकेनीचेचोकपूरिकेपट्टाविछावनोपुणपारुवान्वनकी
झारीजलसोंभरिकेधरेउनमेआमकेपतोवा॥ऊपरका
सेकोकरोरा। प्रत्येकचांवरगुडसुपारीसाहितधरे। पीछे

८ कन्याकीओरकेवरकेल्यांबुलायवेकोंजायनववरव्यातिरि
क्तसवजांय। गीतगानसहित चले। तवचलती विरियास
वनकोंतिलकहोयसुपारीदेहि।ओरसुपारी ११ चांवरसे
रएककपडामेंबांधिकेपासराखे पीछेगावतवजावत
कन्याकेदुहाआवे।थारीसवलिवायआवे आचमनकी
लोटीआवे पीछेकन्याकेपिताकीओरतेप्रश्न होय।व
रकेपिताकेओरतेउत्तरहोय। कन्याकेआडीकोवरकेसं
बंधीकोनामलेकेकन्याकोपिताप्रभृतिकहे हेजोआधी ८

रात कूं गावत बजावत आये सो किं निमित्त। ऐसे प्रश्न करे।
वरके ओडीको झू कन्याके सं० वरको पिता ब्राम्ह० आपके कन्या
रत्न हे हमारे वररत्न हे सो मांगवे कूं आये हे। तब कन्याको
पिता ज्योतिषी कूं पूछे तब ज्योतिषी कहे आछी मिले हे। तब
ज्योतिषी कूं शालमूदडी वरको पिता दे॥ पीछे दोऊ सम
धी चोक पर बेठे। गणेश वरुण पूजन करे पुण्याहवाचन की
झारीन पर थारी मिठाई की चोतरा पे धरी जाँय। गणेश व
रुण पूजन कीये पीछे। कन्याके पिता उठिके वरके पिताकों

९ तिलककरे पीछे सुपारी १ नव तथा चांवर से॰। अपनी अंज
लिमें लेके वाके अंजलिमें मंत्र पढिके धरे। ओर कहे कन्या
विषये त्वं निश्चिंतो भव पीछे वरको पिता उठे एसे ही कन्या
के पिताके तिलककरे ओर सुपारी ११ न॰ से॰। चांवर अं
जलिमें लेके कहे वर विषये त्वं निश्चिंतो भव एसे कहिके
कन्याके पिताकी अंजलिमें धरे पीछे यथास्थित पट्टा
पर वेठिके दोउ जने कन्यावरण दक्षिणाको संकल्प करे त
हां नाई भीतर वहू बेटीनमें दुलहनिको गोद वेठावे दुलहनि ९

कीसासुकोआदिदेके पीछेवरकोपिताडुलहानिकोगो
दबेठावे कोईकन्याकीओरकोसंबंधीहोयसोडुलहनि
कोभीतरलेंलायकेवरकेपिताकीगोदमेबेठावे पीछेओ
रओरहूकोईवरकेसंबंधीहोंयतिंनकीगोदमेंवेठावे।
वरकोपितागोदमेवेठायकेगंधाक्षतकीथारीमेतेकुंकु
मलेकेडुलहनिकेटीकाकरे पीछेछापाकीसाडी अथ
वाजरीकीभारी तथाचोलीकछुरोकओरकछुगेहना
डुलहनिकोदे समर्थहोयतमोहर १ तं०रू०५) वस्त्रउप

१० रधारिकेदे ॥ अधुनिकरीतिहे ॥ तथाथारी ५ मिठाईकेदे
वीडादे। कन्याकूंन्योंछावरकरे ओरसंबंधीयथाशक्ति
साडीचोलीकछुरोकदे भीतरबहूवेरी गोदीमें बेठायके
एसेहीयथाशक्तिदे पीछे तिलकहोयसोसबनतेपहि
ले उपाध्यायकोतिलकहोय दक्षिणावरे कन्याकेपिता
कीओरतें। वरकीओरतें टका ४ ले ओरसबआपहीदे।
कन्याकेपितापाससूंवरकोपिता आपके जितनेंलगतेस
गेहोंयतीनकी। जितनी २ दक्षिणाहोयतितनीसबले। १

पीछेमंत्राक्षतहोय। सबनमस्कारकरिके घरजांहि। ज्ञा
तिकेलडिकानकूं मिठाईथोडीबांटिदेवी। लडिकासबज्ञा
तिकेमिठाईलूटे एसीह्नरीतिहे। ओरआछोदिनदेखिके
वृद्धीनेंपहिलेगणेशाबेठेपीछे वडूवेटीसबमिलकेज्ञाति
केहररीतेलमेलिवेकोनिकरे। दोऊओरनेंगावनहरी
टोलेवारीसाधरहे। गावतगावतजांहि। जोंकोचूनत
थाहरदीत· तेलथोरो २ सबठोरदेहि। ओरगणेशाबे
ठेपीछेदुलहनिकोउनकेसंबंधीहोंयतेतेलचढावे। गु

११ सांइनकेतेलचढिवेकीरीतिनहि॥ तेलचढावेतादिनस
वज्ञातिमेस्त्रीजनकोंबुलावे॥ तेलचढावेतासमेंकीरी
तिनहि॥ तेलचढावेदुलह अथवादुलहनिकेहाथ
मेंसीरातथामेदाकीपूरीदे ओरज्ञातिकेछोटेलडिका
लडिकिनीनकोंदूपासवेठावे। उनकेदूहाथमेदूंसीरापू
रीदेतेलहरदीतथादूवघेदोउहाथनसोलेकेपावकोलगा
वे। घोटूकेपीछेमाथेसूंलगाय ओरपीछेआलीकरेवडी
वेपाहिलेदिनदोऊसमाधिमिलिकेज्ञातिनिमंत्रणकोनि ११

करेनाकीरीति। दोऊओरते अपनेअपनेसगेनकोबु
लावे। ज्ञातिकोकोईमनुष्यबुलायआवे। पीछेंचोंतरा
केपासविछोनाविछायकेवेटे। सगेसबआयलुकेतापी
छेतिलककरे। सुपारीदेहि। पहिलेवरकोपिताअपने
संबंधीनसहितदुलहनिकेपिताकेइहांनिमंत्रणकोंजा
य। पीछेनिमंत्रणकरे। दुलहनिकोपिताकीओरतेतिल
कहोय। पीछेदुलहनिकोपितासबसंबंधीनकोलिवाले
केवरकेपिताकेइहाआवेवेसेहीविछौनापरवेटे निमंत्र

१२ णकरे तिलकहोय पीछेदोऊसमधी मिलिकेसबज्ञातिमे
निमंत्रणकरे ॥ ॥ विवाहकेपहिलेदिन अथवादो
यदिनपहिले अथवाविवाहकेदिनवृद्धीहोय।जबमु
हूर्तहोय तबवृद्धीपाहिलेकन्याकेघ्याहोय। वृद्धीकेदिनव
रकेघ्यांज्ञातिमेंसाबोनीवटे। वृद्धीकेदिनकन्याकोसवारे
ही। गडगडीसूं अवहातीन्हवावे। पहिचूडाचूडीहोंयते
वडीकरे हाथमेपोतपहरावे। लालचूनडीपहरावेहु
रीचोलीदसनोइयाकीपहरावेमूंडउघाडोहीरहे।आ १२

धीसाडीकमरसूंलपरदेनी पाछेपुण्याहवाचनमंडपप्र
तिष्ठापनअंकुरार्पणप्रोक्षणप्रतिसरइडावाचनमात्त
कापूजननांदीमुखदेवतासमाराधनकरे। कागदमेंलि
खिकेकुलदेवताकोचित्रपश्चिमाभिमुखभीतिमेंचिप
करावे।कुलदेवतास्थापनगटजोडासूंकरे वाविरि
यांकन्याकेनन्यावरेकेओरकीपहरावनीपीरीउपर्णा
कीपरावेसोपीरीकन्याकीमातापहरिकेंकुलदेवता
पधरावेआककीडारपलुवासाहित।कूस्कडाचांव

१३ रकोंभरयो होय। कूल्हडाके गरके सोनेकी टिकडी नाके ए
कनाकाल ग्यासो नाडामे परोयके बांधनी। एकपहरामनी
घरकी झूपद्दावे। हाथमेरहे। गुसांइनकेत्यां कंजाकीडारहे
य। ओरसबभट्टनके आककीडार होय। कन्याको पिता ऽ प
र्णापहिरामनी कोओढे। पीछे वरके इहींवृद्धीहोय। वरऊंग
ड गाडीसूंन्हाय पुण्याहवाचनादिकुलदेवतास्थापनी नहो
य। कुलदेवतापधरावती विरियावरके नानाकी ओरकी
पहरामनी। १ पीरीत॰ घरकी २ पढावे। पीरी हरिकेकुलदे १३

वतापधरावे।वरकोपितापर्णाओढे।पाछेकन्याकेघ्यां
सभापहिलेहोय।समासमेस्त्रीजननमेंपीथरीवटे।रसोइने
पुरोतधरेचांवरमण १ गुडसेर ५ रोकरु. ५) इतनोधरे।
वेहेनवेटीरसोईकरे। पीछेवरकेघ्यांहोय।वेदिकवार्यभ
ये पीछेदोऊओरतेंबुलायवेकोनिकरेज्ञातिकेदोयमनु
ष्य।कन्याकेजातमेंनामकरणअन्नप्राशनपाहिलेनभ
येहोंपतेवाहीदिनहोय।कसारकोपाढाहोयतापरसा
डीविछेतेमान्यहोंयतेलेहि बुलायवेकोनिकरेंतेकन्या

१४ कीओरतेजातकर्मनामकरणअन्नप्राशनवृद्धीदेखिवेको
तथाभोजनकोबुलावे।ओरवैकीओरतेवृद्धीदेखिवेको
न० भोजनकोंबुलावे स्त्रीजननमेंवारिनबुलावेदेखिवे
कोपीछेसभाहोयतवओरटहलनीबुलायवेजाय।क
न्याकेनानाके ओरतेभातदेवेकोनेग।कन्याकेदादामेंमि
लतहोंयतिनसवनकोपीरीउपर्णाकीपहिरावनीकरे।
निपटसंबंधीनकूंछापाकीसाडी।भातकन्याकीमाता
कूंसभागा १ तामेंकपडा ४ लेहेंगा।चोली।साडी।चाद १४

र। गेहेना। १। कन्याकेपिताकूंउपर्णामात्रअथवा। भालमे
गेहेना ४ सोनेके ३ रूपेको १। तथानामकरणकोउसकापाट
कोतथारोकरु० १) अथवायथाशक्ति। अन्नप्राशनकीहे
पेहरावनीसगेहोंयतेन० बतासादिककछुखायवेकूंदे। व
ड़ीकीपीरीकीपहरावनीभेयावंदकूंदेपहे० १। दे। तथाओ
रकूंयथाशक्तिकन्याकेनानाकेनानाकेसंबंधीहोंयने
पीरीकीपहिरावनीदेहि। निपटसंबंधीहोंयतेछापा
कीसाडीधरे। न० यथाशक्तिरोकन०उत्या०। औरकूंज्ञा

१५ त्तिके उत्स्यानथारोकयथाशक्तिदे। कन्याकेनानाकेओरते
भातकीपहिरावनीलावे तासमेंसगेनकोबुलायकेसाथ
लावेस्त्रीजनहूसाथआवे। गांवनवारीढोलवारीगावत
बजावतआगेचली आवे भातकीपहिरावनीपढाव
नीवेरकन्याकोपितागटजोडाकरिकेस्त्रीसहितक
न्यासहितचोकपरवेठे। भातकीपहिरामनीपढापेपी
छे उत्स्यादीये पीछे ज्ञातिकेसबनकों तिलक होय सुपा
री दक्षिणा यथाशक्ति आलकर्म नामकरण अन्नप्राशन १५

कीवटे पीछे सीधा अगोनीके दिनतें दूनोसा जिकें रोकरानमे
धरिके वरकेघर मठामे घीतेनदानासबदूनो आगोनीकेदिन
तें तथा सांठाके दिनहोंयतोसाठाकीकोदी १ पठावेशाक
जो मिलेसो पठावे। कन्यो पिता अनसरवडीसववरकेघर
पठावे। पूरोमेदाकीसेवकेलडुवान- तावापूरीशाकप्रभति
सवपठावे॥ वडीसेवपापड अग्योनीते दूनेंपठावे। इकीस
भांतिकीसेव एकथारीमे धरकेपठावे। पापडवडे सेरसेरके २१
ऊपरसेंदूरकेटपका ५ करिकेपठावे॥ यहसीधासाजिके

१६ समाहोयतासमें चोतराकेपासधरे पीछे अट्ठीदिंद्र यह मंत्राक्ष
ताहोय॥ सवज्ञातिकेनकोनमस्कार करे पीछे सवज्ञातिके वर
केघांजाय। ओरकन्याके ओरकेसंबंधी होय तिनकोकन्या
कोपिताअपनेघांराखिले। पीछे कन्याको पिताअपनेसं
बंधीहोयतिनको अपनीओरतेंवरकेघांपठावे। सीधासव
आगेतेपठावेसोवरकेघांचोतराकेपासधरे ओर कन्याके
पिताकी ओरतें जोकोईआवे सोवृद्धकंताके रु॰ ५१ अथवा
२१ अथवा ११ यथाशक्तिलेआवे। ओरबहुवेदीसवचक्रास्

सलकरिके आवे चकी मूसलकीरीति। चकीतथामूसलहरदीं
सूं रंगे। चकीतथामूसलके नागरवेलीके पानबांधे नाडा
सूं पीछे चनारगिके चकीसूंदरे मूसलसूंखोटे। पीछे फेरीं
कन्याको पितास्त्रीसहित गांठिजोडिके बेटे। कन्या हूवे टे।
पीछे आर्ती होय। पीछे कन्याकी माताकूं आदिदेस व बहूवे
टीवरकेघरजांहि कन्याकीमातावरकेत्यांजाय परंतु क
न्याको पितानजाय। वरकी माता कन्याकेघरजाय वरको
पितानजाय। पीछे वरकेत्यां बहूवेटी आयचुके तापीछे

२७ कन्याकीओरतेआपोहोयसोरूपेयालावोहोयसोदे।।तापी
छेकन्याकेपिताकेओरतेविज्ञप्तिकरे। पीछेतिलकहोयसव
नकोंसूपारीदे।अद्धीदिंदयहमंत्राक्षताहोय।पीछेसवनकों
नमस्कारकरे।वरसासकूंनमस्कारकरेतासमेसासवरकूं
शालउटावेनहीतोपाटकोंउपर्णाउटावेनथामूंदडीदे॰सव
आपनेंघरजाय।पीछेवरकेह्याचकीमूशालहोय।वेसे॰
हीआर्तीहोय।पीछेज्ञातिमेंजेंवेंकोबुलावेकोपठावे।वृद्धी
केदिनसबवरकेइहांहीजेवेकोजाय।ओरकन्याके निपट १७

संबंधी होय नेकन्याके त्यां आवे। ओरवृद्धी केदिन जेवेकेस
मे इडावाचनकेसमेकी सुपारी ब्राह्मणकोंदेनी॥ मंडप
केनीचे जेएपीछे अचोयकें मंडपके घ्यासगरे आवे। सवन
कोसूपारीदेनी पीछे मंत्राक्षताहोय। पीछे घरके द्वारे खडे
रहिके सवनकोनमस्कारकरे॥ ॥ विवाहकेदिनकी ववर
केघ्याकीरीति॥ ॥ पहलेज्ञातिकोमनुष्यकोई दोऊआरनें
ज्ञातिमें बुलायआवे विवाहकेदेखिवेकोवडे प्रस्तावमे बुला
यआवे सोजाकोप्रस्तावहोयताकेदादेकोनामलेके बुलावेपी

१८ छे।विवाह तेडेढ पहर पाहिले अथवा पहर पहिले लग्न झानिमें
बुलावाजायत॰ तलनटाट दुलहनिके घांपठावनो वरकी ओ
रतें ठोकरा १ मेतेल उवटना गडगडी धरिकेत॰ कन्याके=
धोती उपर्णा उपर्णा वरके घर हरदीसूं पीरे रंगिके मंडपमें स=
खायके तलनटाटमें धरिके कन्याके घर गावतहारी गावत व-
जावत ले जांहि। दुलहनिकों अहवाती होय सो गडगडीसूं न्हा
या पीछे नयेक पडा पाहिरे चीरा तथा जरीको वागा पटुका उप
र्णा भारी पीछे। पीछे चोतरा पर पट्टा पर वेटें सेहरा वाधे वरको १८

पित॰मालापासबेठे।वरआपपुण्याहवाचनकरे वडोपुण्या
हवाचनहोय।ज्ञातिकेजेआयेहोंयतेहीहोंय।ओरनकेलि
येबेठेरहेनही।लग्नसाधिवेकेलियेकाहूकोपेंडोनदेखनो।
पुण्याहवाचनभयेपीछेआर्त्तिहोयतिलकहोयसबनकोद
क्षिणायथाशक्तिवटे।रीतितोयहहे जोगुसांईनकेयहांतो
रु॰१) तेघाटिदक्षिणावटे ओरभट्टकेरु॰।८) घटिनवटे
पीछेकुलदेवताकोनमस्कारकरिकेविवाहकोचले।विवाह
कोचलेंवासमेंस्त्रीजनमेंघोडीचढतकीचादरबटे।नवनिध्धि

१९ यको रुपैया नारियल हाथमे राखे रुपैया १ और पास राखे
कलशमें डारिवेको। विवाहकों चढे नवस्वस्ति नो भिमीताइ
त्यादिक मंत्र पढे। पीछे घोडा पर चढिकें विवाहकों जाय
विवाहके दिन वरके ह्यातें सर्वे ज्ञातिमे स्त्रीजनमे दमी प
वटे। विवाहके दिन की कन्याके ह्यांकी रीति॥ गडगडी सूं
न्हवायकें कन्याको कुलदेवता के पास बेडावे। गौरी के ऊप
र अक्षत डारिवो करे। और एक कन्या होय सो डुलहनि की
पीठ पर डारे। चौकमें चौतरा के नीचे पट्ट दोय पूरे॥ एक पू १९

खीभिमुख। एक उत्तराभिमुख। और कन्यादानकी मधुपर्क
कीतइ पारीकरिराखे॥ मधुपर्कमेवरकेपावधोयवेकूपरा
त १ बडीपीतरकी॥ करवा १ बडोपीतउको। वरकूंवस्त्रेरे
शमीमुकटाउपर्णा अथवापीताम्बर २ वरकूंगेहेना ५
नामेकडामोतीकंठीवेढमुदडी॥ पीछे एक एहवाती लुगा
ई ब्राह्मणीके माथेकलशरहे पीछेआगोनीके दिनजेसे
अभिषेक उपर्णाउढावनोहोयसोउढाईये। आर्तीहोय।
दहीचावरवारे। वरकेसाथगंधाक्षतकीथारीआचमन

२०
कीडोरीसाथरहे।वासमेज्ञातिकेपीछेतेआयेहोंयतिनको
तिलकहोय।पीछेसगरेज्ञातिकेजायके विछोनापरबेटे।
पीछेकन्यावरणहोय पीछेमधुपर्कहोय।कन्यादानकेस
मेवरकन्याटोकरामेंबेटे।कन्यापूर्वाभिमुखबेटे।वरप
श्चिमाभिमुखबेटे।वरकीओरकेटोकरामेकन्याबेटे।
कन्याकीओरकेमेवरबेटे।पीछेकन्यादानहोय।पीछे
सुमूहूर्तमेपरस्परअक्षतडारे।पीछेकन्यादानदक्षि
णाबटे।पीछेकुलदेवताकेपासजायकेपीरेधोतीउपर्णा

पहरि श्रृंगार होय। गोरी की पूजा लक्ष्मी नारायण की पूजा
करे। सेहरा बाधि के चना दार की खिचडी सूपडी में धरि के
एक एक सूपडी ऊपर टाके ऐसें करि कें बायन को संकल्प
करे। फेर टोकरा फेरि के धरे। फेर टोकरा मे आ:य बेठे।
टोकरा मे पूर्वाभिमुख वर बेठे। पश्चिमाभिमुख दुलहनि
बेठे कपिला वाचन होय ऋक्खवाहोय बडी मंत्राक्षता हो
य। ता पीछे चोंतरा पे बेठि के विवाह प्रधान होम करे। सप्त
पदी प्रवेश होम करे। सप्तपदी के समें गोरी की सिलत·-

२१ लोटासिंधोडा २ कन्याको पिता गठजोडा करिके पधरावे ।।
पीछे शास्त्रोक्त प्रकार करिकें स्थालीपाक औपासन समय
होय तो करे नहीं तो दूसरे दिन करे। पीछे स्थालीपाक हो
यता दिन भोजन पंक्तिको भोजन होय। भोजन पंक्तिके भोज
ते पाहिले बहू बेटीन मे समिध मिलावा होय। सोऊ समि
धिन मिले। तासमे कन्याकी माता होय सो वरकी माताकूं
सभागा दे। तामे समर्थ होय तो। जरीकी चादर किनारी
की ओरकी साडी जरीकी चोली रेशमी लेहेंगा। तथा सं २१

नकोचूडा। गेहेना ५ नामेंनथतिमनिया गूजरी बाजूबं
द जडावकीटीकी विछिया अनवट। वरकीदादीनानी।
वेहेन। भाभीकाकी फूकी मामी मोसी इतनीनकूंसभागा
दे। वरकीदादीनानीकूं गूजरी॥ औरनकूंविछियाअनवट।
सामर्थ्यनहोयतोयथाशक्ति। भोजनपंक्तिमे भोजमेंघीप
रोसाइकोसमधिनकूंपटोरादे॥ समधिकूंशालदे १ मुद
ऊदे। जोविवाहकेदिनस्थालीहोयतो मंत्राक्षताभयेपी
छेदोऊसमाधीज्ञातिमें। निमंत्रणकरेवेकोनिकरे। क

२२ टोरावरवधूकेजेवेंकेसमेहोयवडोदायजेमेंदवेकोसोलेकें
वामें अक्षतसुपारीहरदीकीगांठिरहे।एकहीकटोरासूंदो
ऊओरतोंनिमंत्रणहोय।पहिलेवरकेपिताकेघांनिमंत्र
णकोजांय।पीछेकन्याकेपिताकोनिमंत्रणकरे।पीछेस
बज्ञातिमेन्योतियेकेसाथहीबुलावतआवे।औरदूसरे
दिनसांझकोस्थालीपाकहोयतोउपरिकोंदोऊओरते
अपनेंअपनेंसंबंधीनकूंबुलायकेन्योतिवेकूंनिकरे
पहिलेईक्रमसो।जवतांइनिमंत्रणकोसगरेजाहित २२

वन हां स्थालीपाक को समय होय तव स्थालीपाक भये पीछे
चोरी वधे स्थालीपाक भये पीछे औपासन होय। होमकी
आनी होय। पीछे चारि दिन तांई नित्य होम होय। होमकी
आतरे होय। दो उ विरिया होम भये पीछें। स्थालीपाक भ
ये पीछे भोजन पंक्ति के दिन ते चारि दिन तांइ हरदी होय।
स्थालीपाक होम दिन तें चारि दिन हरदी होय तथा स्था
लीपाक होम की रात्रि तें चतुर्थी अपर रात्रि कुं चतुर्थी हो
म होय। वधू की सासु अपुनें संबंधी स्त्री जन सहित आवे

२३ डुलहडुलनिकोश्रृंगारकरे।डुलहडुलहनिआपुसमे पावन
पडे।हरदीकीआतश्होय।न्योछावरहोय।डुलहनिनित्य
हरिद्रास्नानकेवलकरे।जलसूंनकरे।चारिदिंनतांई॥
पीछेवरकोपितापनेंसंबंधीनकोंलेकेंजेंवेकोबुलावा
आवेजाय।ओरहूंज्ञातिकेंनकूंबुलावाजाय॥सगरेंभावे
तहांताइडुलहडुलहनिजूआरंवेलेसुपारीटकांनसोवधू
केपिताकीओरतेथेली २ मिसरूकीटकासुपार।कीव
नेंसोवरलें।ओरवरकोपिताकीओरकीहोयसोडुलह २३

निले। पीछेहरदीहोयचुकेपीछेमंडपकेनीचेभोजकोंबेठे।
जोवरकेसगेहोयतेमंडपकेनीचेबेठे।कन्याकेआरकेहों
यतथाओरसगरेओरठोरबेठे।ओरवरवधूजेंवेकोबेठे
तहांचोकपूरेचूनको २ एकपूर्वाभिमुख।उत्तराभिमुख।
पूर्वाभिमुखपरवरबेठे।उत्तराभिमुखपरवधूबेठे।पी
ढापरबेठे।थारकटोरा २ बडे झारीपानीकी।पीछेप
ठोनीकेदिनदायमेदेनी। पीछेदूलहस्नानकरकेंहरदील
गावेमोहडेकेलगावेपीछे।ओरदुलहनिकोसंबंधी

होंयतिनकेलगावे।ओरकुलहानिकुसस्फरकेहरदीलगावे।
२४ पीछेवरकेसंबंधीनकेलगावे।पीछेवरवधूकोगोदीमेउठा
यकेंअपनेपिताकीगोदमेबेठावे।ओरऋअपनेंसंबंधी
होयतिनकीगोदमेंउठावे।पीछेकन्याकेपितावरकेपि
ताकोंशालउठावे।दादोहोयतोदादेकोंऋंशालमूंदडी
दे।ओरसमिधमिलावाकोनेंगदेनाकीरीति।समधिन
कोंजरीअथवाछापाकीसाडीभारीलेहंगोभारीचोलीचा
दरतथाचूडादानको।यथाशक्तिवा।ओरकछुगेहेना २९

इत्तनोदे। औरवरकीमानाघीपरोसेनाकोंघीपरोसेकोपटो
राक्देनो। औरसमधिनजेवेंसोक्यो चोरीकीथारीमेंजेवे। पीछे
परोसनाहोयचुकेपीछेदोऊसमधीब्राह्मणभोजनकोसं
कल्पकरे विज्ञप्तिकरे॥भोजनभयेपीछेसुपारीसवन=
कोदेनी॥ सगरेमंत्राक्षतनाकहे। प्रातर्यावाणायहमंत्राक्ष
ताहोयचारदिनतांईपीछेविवाहभयेपीछेवाहदिनअ
थवादूसरेदिनचूडापरिधाननासिकाभूषणकोमुहू
र्तहोयतवदीनकोचूडापहरावे। दुलहनिकोनाकछेदेन

२५ थपहिरावे॥ओर पठोनीके दिन आछो दिन होयतो छोंटी
पठोनी होयताकीरीति॥ वरवधूकों लेके आछो मुहूर्त होय
तव अपनें घर जाय। कुलदेवताकों सासूकोनमस्कारकरे।
नारियल रुपैया वरकन्या दोऊ हाथमे राखे। रुपैया नारियल
कन्याकी माताकी आडीको कन्याकी माता दे॥तथा रु॰१ कल
शमेंडारिवेको राखे। संबंधी होय ते साथ रहे। उपाध्याय रहे।
स्वस्तिनोमिमीताइत्यादि पढे॥ ओर वरके घरवों तरा पपट्ट
पूरिके पुण्याहवाचनकी सामा करे। पाय धोयवे कुंडुपम २५

गायशारवनो।। पीरी। विछायकेनाऊपरस्फहारीगुलगुलादीवा
चूनकेदरवाजेंनेलेकेकुलदेवनाकेघरनांईधरे पीछेंवरवधू
आवे नवकलशवारी ब्राह्मणदरवाजेकेआगेठाडीरहे। उ
पाध्यायप्रभृतिसबठाडेरहे। वररू० १ कलशमेडारे। पीछे
आंवपतौंआनसूंकूल्हडाकेजलसूं अभिषेकहोयसमुद्र
ज्येष्ठाकरिके। पीछेआतीहोय। दहीवारे। पीछेमान्यहों
यनेबाटरोकेवाररूकाईमान्यकोंयथाशक्तिदेनी। पीछेव
रवधूस्फहारीनपेपावधरिकेंजांय। कुलदेवताकोंनमस्का

२९ रकरिकेंचोंनरापरचोकपरबेठे। मान्यहोयसो एकपीतडकी
थारीमेंवरवधूकेपांवधोवे॥ पीछेपुण्याहवाचनहोय। पीछे
कन्याकेपिताकीओरसे एक टोकरीमेचनाकीदारकीखी
चडीतथापहरामनीछापाकी आवीहोयसोपठायदेनी।
पीछेआतश्होयतिलकरुपारा दक्षिणाहोयमंत्राक्षताहो
य।पीछेदुलहदुलहनिकेपिताकेघरजाय। पीछेचोथीहर
दीकेदिनवरकीमाताप्रभृतिहरदीकोजांय।तबएककका
वडबनायकें वामेंचूनगेंहूकोतथाहाथीदोऊलिखिकेंचाव २६

रत॰ खडीकेकूल्हडा ३३न॰ गुडघीइननोंघरिकेंलेजांय। न॰
डुलहनिकेकपडाङ्क लेजांय॥ पठोनीकेदिनहीचूनकीसुहा
रीहोंय। गुलगुला होंय। कावडीवारेकूं कन्याकोपिता दे। ०)
गुसाईहोयतोरू॰ १) दे। ओरचोंरीमेंतेइशानकोणकी
ओरकीएकमथनियाकारिकेरंगावेतामेंलक्ष्मीनारायण
उमामहेश्वरगणेशलिखवावे। पीछेहरदीकेसमेवरकेसं
बंधीहोंयतिनकोंबुलावने। डुलहडुलहनिपरस्परपावन
पडेसोदेखे। कपडाडुलहडुलहनिकेपटामदीने पीछेकेसू

२७ केजलसूंखेलहोय। चारयोंदिनहरदीमेखेलहोय। परंतुचो
थीहरदीमेंविशेषहोय। ओरपाहिलेकीसीरीति। ओरवाही
दिनभोजभयेपीछेवरवधूकेधोतीउपर्णाविवाहकेदिनके
होयतेभिजोयकेमंडपकेऊपरसुकावने। वरहोयसोइस
रेधोतीउपर्णासुपेदहोयसोपहिरे।। कन्याहोयसोवृद्धीके
दिनकींचूंदडीपहिरे। पिछलीरात्रिकोनखसमूहएवेलव
नें नाऊकोंग।। नाऊकन्याकीआडीको।। पीछलीरात्रिकोच
तुर्थीहोमहोय।। तथानागवल्लीपठोनीहोय। नागवल्लीप २७

ठानीको बुलावा पहिली रात्रि होय। पीछे समै होय लवना उ
चि एक वारे बुलाय वे कों जाय। दुलहनि के घां सभा होय॥
और चौंतरा वेंनी चै पट्ट सर्वतो भद्र मंडल पूरे। पंचवर्ण चांव
र नसूं। चीवरनके हाथी दोऊ और दक्षिण की ओर लया उत्त
र की ओर। उत्तर की ओर को पूर्वाभिमुख होय॥ दक्षिण की
ओर को हाथी होय सो पश्चिमाभिमुख होय। तामें पेटके गेर
लोन भरे॥ यह चौक पूरिवे को तथा हा। थी लिखिवे को नाग
पसाई नको नेंग है॥ एक स्त्री ब्राह्मणी जो रजस्वला न होय

२८ न होय सो नाग पसाय न नि एक पाहिरामनी नाग पसाई न होय ना
कोदेनी। चतुर्थी होम छेल्ली रात्रिकूं होय ता मेंवर वधू नख संह
राय के गडगडी स्नूं न्हाय। पीछे पीरे धोती उपर्णा मंडपपरसु
खावे होय सो पहिरे। पीछे चतुर्थी होम होय। तासमे अग्नि
को समित्समारोपण होय। गोरी की। शिल्त॰ सिंधोडा २ सें
दुर के वरको पिता गठजोडा स्नूं पधरावे एसी रीति है। पीछे ते
तीसङ्कं कूल्हडा रागिंके धरे होंय तिनके बीचमें रगीन उमा
महेश्वर लक्ष्मी नारायण गणपति ये चित्र जामें है एसीम २८

थनी धरनी। पीछे दूलह दुलहनि तथा वर कन्या की माता प्रभृति
पांच अहवाती फिरे तथा वरवधूं संग फिरे ताकी रीति यह जो
कन्या की माता के हाथ में रंगी मथनी रहे वर की मा के हाथ मे
जल की झारी रहे ओर एक पास गहेना को बंटा। एक पास दु
लह दुलहनि के कपडा रहे एक पास बीडा को तथा सेहरा को
ठोकरा रहे। पीछें फिरे। कन्या के पिता की आडी के वर के क
पडा वर के पिता की आडी के कपडा। पीछें वर वधू कपडा प
हिरे श्रृंगार होय। पीछे वसंता दिषट्ऋतु लक्ष्मीनाराय

२९ णउमामहेश्वरगणेशइनको पूजनकरे। गोरीकूं सेंदुरपहि
रावे। पूजनको संकल्पकरे। पीछेदीवाप्रगट५करनोंपीछे
बहूबेटीआमे। दुलहनिको सेंदुरपहिरामेंतापी●छेसे
हरावधे २ वरकेदोयवधूकेंएसेंवधें। पीछेंबहूबरीआ
वेसूपडीनमेंचनाकीदारकी। खिचडी धरिकेंवायनदिवा
मेंपहिलेसंकल्पकरिलेंय पीछेप्रदक्षिणाकरिकेंलोन
केहाथीचावरको हाथीकरवावे। वरकोसगोकन्याकों
कहवावे। कन्याकीओरकोसगोहोयसोवरकोंकहवा २९

वे। प्रथमलोंडालोंडी। दूसरेंहरवोलाहरवोली। तीसरेराजारा
णी। प्रथमवधूलोंनकेहाथीभपरठाडीरहे वरचावरकेहाथी
परठाडोरहेदूसरीविरियावधूचावरकेंपरवरलोनकेपर।
तीसरीविरियाप्रथमवत्। पेहलेवधूबोले। पीछेपद्मपरबे
ठे। वेहीदीवा ५ गंधाक्षतकीथारीमेंधरिकोंगठजोडासूं।
पीछेबहूवेटीआवे दोयबहूवेटीअहवातीकुलहनिकी
ओरवरावरिबेठे। नं॰ दोयजनीवरकीओरबेठे ओरमान्य
होयनेदोय॰ चारमिलिकेंवहूवेटीआर्तीकरे। आर्तीमेस्रु

३० पारीकीजघेंवीडाधरे। पीछेतिलककहोयपहिलेउपाध्याय
कोंपीछेज्ञातिकेंनकोहोय। पीछेवरवधूमिलिकेदोऊओर
तेंवांटेसवनकोंसपारीनही। पीछेवरवधूकुलदेवताकोन
मस्कारकरिकेघरकोंचलेनवसासकोनमस्कारकरिवेकों
जायनवसासरू०१। नायिल १ हाथमेदे तथारू०१ कल
शमेडारिवेंको। ओरदुलहनिकेपेटसूंकटोरीरूपेकीअथ
वा कांसेकीयथाशक्ति। वामेंसेवकोलडुवा १ बांधनो। गो
रीकीसिलामंडलमेंधरीहोयसोकन्यासासरेजायनवब्रा ३०

स्नणद्वारासंगलिवायेंजाय। पीछे स्वास्तिनो मिमीताइत्या
दिकमंत्रपठेसगरे। पीछे घरजायतव छोटी पठोनीमेंरी
तिलिखीहोताप्रमाणही अभिषेकादिपुण्याहवाचनांन
करे। आतांपर्यंतसबकरे। तापीछे कन्यासासरेंजायता
समें कन्याकोपितासवनकोनमस्कारकरे। ओर अपनेंसं
बंधीहोयतेकोंराखिलेउठकों अपनें साथलेचले। वरवधू
कें पहुंचेपीछेदायजोलेजायतव। ओरदायजेके वासनआ
हाडा १ पीतडकीपरात १ कडछी १ पीतडकीझारी १

३१ थारी १ कांसेकी कटोरा १ कांसेंकेवडेइतनेंतोआवश्यकहे।
औरयथाशक्तिटोकरामेंधरिकेवरकेत्यांपठावेत॰ पहराव
नीकीरीति।।वरकोपिताददोकाकामामामोसीफूफीत॰
वरकेपितामाताकेमामाकाकामोसीफूफीनकीपहरामनी
होय।औरईनकेछोटीलडिकीनीहोयंतिनकेछोटरखूट
कीपहिरामनीहोयत॰ वरकेसप्तमपुरुषमेंमिलनहो
यतिंनकीवडेरखूटकीपहरामनीहोय।उपाध्यायकहन
त॰ आचार्य्यक॰ दासीकहनइतनीपहरामनीसाडीउप ३१

र्णाकीहलकी। इतनीपहरामनीहोंयतं. निश्चयतांबूल
केदिनडुलहनिकेकपडाआयेहोंयनेरोकआयोहोय
सोङ्कसबलेकेंजानो। ओरघोडागाडीरथपालखीयथा
शक्ति। अथवाइनकोयथाशक्तिद्रव्यदे। ओरवृद्धीके
दिंनतेदूनेरु० रोकदेनेनथाउलूफा। कहेसीधासोद्भवृद्धि
केदिनप्रमाणपठावेनथाएकपाठकोउपर्णातं. रु०१)
रोककडियलको। कहिकेंदेनो। इतनीवस्तुलिवायकेडु
लहनिकोपिताअपनेंसंबंधीनसहितवरकेत्यांजायत

थाडुल्लहनिकीमानाअपनेंसंबंधीस्त्रीजनसहितजाय।
३२ रोकरु॰त॰गहनाअपनेंपासराखे कन्याकोपिताओ
रसववस्त्रचोंतराकेपासधरवावे।कन्याकोपितावरके
घरआवेतवपुण्याहवाचनहोय।पुण्याहवाचनभयेपी
छेपहरामनीपढावनी।ओरसबवस्त्रपढावेहोय।निश्च
यतांबूलकेदिनजोवस्त्रहोयसोदे।रोकडेरुपेयाहोयते
दे।विज्ञप्तिदोऊओरतेहोय।कन्याकेसंबंधीहोयसोसा
डीउपर्णाकीपहिरामनीदे। पीछेसबज्ञातिमेंकेएकएक ३२

उपर्णीत· कछुरोकहोयसोदेंय। पीछेआर्तीहोय। तिलक
होय। दक्षिणावटे। विवाहकेदिनतेदूनी। उपाध्यायकोंजो
कछुदेनोहोयसोदेने॥ पीछेमंत्राक्षतोहोयसबनकोनम
स्कारकरेसबअपनेंघरजांय। पीछेवरकेपिताप्रभृति
पुरुषतथामाताप्रभृतिस्त्रीजनदूलहदुलहनिकोंगोद
मेंलिकेनांचे। पठोनीकेदिनकेतथोहाथीदोऊनकेचांवर
तथाकूल्हूडानघरकीस्त्रहारीगुलगुलाधोविनतथावांरि
नकोंवांटिदेनी। पीछेकन्याकेपिताकीओरतेमहिनाकेभो

३३ फो निमंत्रण होय सवज्ञातिमें ॥ तापीछे भोजनकेसमें क
सेंडी १ पीतउकी चांवरकी भरीत· वंटा १ आरसी १ व
डुआ १ लोंगइलायचीसुपारीसुंभरयोत· सरोता १ त·
पहरामनी २ इतनोपठायके देने भोजनभयेपीछे
अछी दिंद्रयहमंत्राक्षताहोयनमस्कारकरिकेस
वअपनेंअपनेंघरजाय। पीछेवरनित्यऔपासनक
रे। समित्समारोपणप्रकारसो। पीछेअन्चारंभणाय
दर्शपूर्णमासेष्टीकरे। पीछेविवाहपीछेपटोनीभयेपी ३३

कुलदेवताविसर्ज्जनमंडपोद्वासनमुहूर्तहोयतादिनमंड
पोद्वासनकुलदेवताविसर्ज्जनकंकणमोचनहोय।गंगा
पूजीहोय।गंगापूजीवरकेहीघरहोय।कन्याकेघरनही।
गंगापूजीहोयतादिनज्ञातिमेंस्त्रीजनकोबुलावे।बहु
बटीसगरोइकठीहोयचुकेतबएकघडामाठीकेमेजल
भरनो॥वामेंआंबकेपतैवामेंलेकेंनारियलधरे।पांच
भांतिकीसामग्रीतथापूजाभोगधरे।वरवधूविवाहके
कपडापहरिकेंगंगापूजीकरें।पीछेंवियाहभयेमाहिना

३४ होयतबमहिनाकी आर्तीउतरे। तादिनभीजेचनाज्ञातिमें
वटे। विवाहभयेपीछे प्रथमद्वादशीआवेतबद्वादशीको
भोजहूकरताकरतहे। पीछेवर्षदिनभीतरजितनेपर्वआ
वेतिनमेंआर्तीउतरे। तथामकरसंक्रमणमेंकूल्हडीसं
कल्पगटजोडास्त्रूंकरेन० अधिकमासआवेतबअ
धिककोवासनगटजोडास्त्रूंसंकल्पकरे॥ ॥गर्भा
धानकीरीति॥ ॥गर्भाधानकोमुहूर्तऋतुतेसारोदि
नभीसकसमदिनमेंकरेविषमदिनमेंनकरे॥गर्भादान ३४

तेपाह्लेवाही।दिन अथवा ओरदिनअग्निस्थिलि होयता
दिन ऋतुशांतीकरनीपूर्णाहूतीकी विरियाज्ञातिमेकेंन
कोंदेखिवेकोवुलावुलामने॥ ओरपीछे गर्भाधानके-
समेंसभा होय।पुण्याह्वाचन पूर्वक गर्भाधानहोय।पी
छेजाको ऋतुभयो होयताको।पिताजोकछुगोनामेंदेनो
होयसोदेखि विज्ञप्तिदेऊ ओरत्ने होय।आतंश्होय।ज्ञा
तिकेनकोंतिलकहोय दक्षिणादेनी।मंत्राक्षताहोय।पी
छेसवनकोनमस्कारकरे।ओरसासरेंतेरु•आयेहोय

तो ज्ञातिभोजनकरवावे। ओर ऋतुहोय ताादन ते ले के ती
३५ न दिनतांई टलमदे। दलमकीरीति जुदी छे ले पत्रामेहे।
अहवाती होयसो ओर रविचडी पूआको भोज होयस्त्रीज
नमें। पीछे चोथेदिन दलम उतारे। ओर गोंनाको भोज
होयतामें डर होंयसामग्री सकखोरी होय॥ पुंसवनकी
रीतितथासीमंतकीरीति॥ ॥ गर्भरहेपीछे आछे ठेम
हिनासीमंतहोय। जास्त्रीकोसीमंतहोयताकेपीहरकी
ओरतें सबवस्त्र नके हार होंय। सगरे सेवात• नाजके ते ३५

जानाकेलवंगकोंआदिदेकेंसवनकेंहोयतथापवित्राहो
य।तथाकपडाजनामेंनेंमरदानेंसवहोंय।।ओरऐकसा
डीगोठीकीपीहरकीओरनेंहोय।सफेदसाडीकेऊपर
हरदीकीचित्रकारीहोयऐसीसाडीचाहिये।पीछेसभा
होयतामसमेंगठजोडाकरिकेबेठेसीमंतवारेंस्त्रीपुरुष
पीछेपीछेपीहरितेजोकछुआयोहोयसोलेनो।।सब
भांतिकेपकवानन-जमाईकेसगेंनकीपहरामनीन-रो
कक छु।विज्ञप्तिदोऊओरनेंहोयआनंदहोय तिलक

३६ दक्षिणामंत्राक्षता अक्षी दिंद्रयहहोय। सीमंतकोभोज
होयतामेंसामग्रीकछुहोयत· शिखरिणीभातदहीभा
तखटोभातहोय। ओरजेस्त्रीपीहरिकेहोंयापिताको
आदिदेकेंतेक्षूऐसेंहीभोजकरे। ओरसीमंतवारेस्त्री
पुरुषनकोंपट्टपरचोकबेठामने भोजनतेपाहिलेआ
र्तीकरनीपहरामनी२ देनीयथाशक्तिसाडीउपर्णाकी।
ओरसबज्ञातिकेभोजकीशक्तिनहोयतोप्रस्तावबारे
स्त्रीपुरुषदोऊनकोबुलामे॥ ॥अबजातकर्मकीरीति॥ ३६

॥ बेठा होय तो वाको पिता अपने गरेमें तेंजनेंऊ उतारि
के नाल बांधिवेकूं दे पीछे सगरे ज्ञातिकेंनकों अथवा सग
नहींको बुलायकें सबनको साथलेकें गावनहारी ढोल
वारीनको आगें करिकें गारावावारे नगारा बजावत जां
य ऐसें नदी अथवा तलाव बावडीमें जायकें न्हा
य। पीछे ऐसेंही गावत बजावत घर आवे सब ज्ञातिमें बु
लामे। सबनके आये पीछें जातकर्म होय। आर्ती तिल
क दक्षिणा यथाशक्ति। मंत्राक्षता होय। अग्निरायुष्मा

३७ न्यहुमंत्राक्षनाहोय। सबनकोंनमस्कारकरे। वादिन
सबज्ञातिकेंकछुरोकपठायकेदेऐसीरीतिहे॥ओरबा
लकभयेपीछेतीसरेंदिनअथवापांचमेंदिं मोटाल्लूहो
य॥मोटाल्लूकेदिनसगेहोयसोंचांवरपक्कोसेरनथाहु
रदीकीगांठचारत॰नागरवलकेपानइतनोप्रस्तावबारे
कूदे। सर्वज्ञातिस्त्रीजनआवे। कुरोकुठ्ठोकेल्लूकेहोय।
अथवाइरके होय। भीजेचनातयागुडसबज्ञातिमेंबटे।
मान्यहोयसोचरूवाचढावे। मान्यकोंयथाशक्तिकछु ३७

देनो ॥ ॥ ओर बालक भये पीछे छठे दिन छटी होय ता
कीरीति ॥ ॥ पश्चिमाभिमुख छटी लिखनी खड्ग त॰ वास
कील कडीया रंगीत॰ दई इतनो धरे ॥ आगे दीवा धरे तेल
सूं भरिके। छट्यावर मान्यलये होंय सो धरे। छट्यावर
के संग चना की खीचडी सेर १ तथा रोक रु॰ १) वायथा श
क्ति। तेल त॰ रूई। बकुल लगसे सगे होंय ते उपर्णा दे। छ
ट्यावर आवे सो एक छाव में खवा जाना नग २१ धरिके वा ऊप
र पीरीटां किता ऊपर च्यार ज्योति की चून को दीवा धरिके ला

३८ वे। पीछे छरीकी पूजाहोय। सगरीरातिस्त्रीजनजागरण
करेआनंदहोयतिलकहोय मंत्राक्षताहोय। तमर्वेतयह
मंत्राक्षताहोय। पीछेसवज्ञातिकेनकोंपूरीखाजादूधरख
वांवे। फेनीन· सोंटकीभुकनीशाकयहहोय। तिलकमे
येपीछेंदक्षिणादेनीसवनको। गुसाइनकेबेटाहोयतो
रू० १) दक्षिणा। भट्टनकेपावली। वेटीहोयतथाशक्ति॥
अथनामकरणकीरीति॥ ॥नामकरणजन्मसुंवारह
दिनहोय। वैदिककार्यभयेपीक्षाछेसभाहोय ओरशक्ति ३८

होय सो वास में सवनको पहरामनी दनी सगेन कूं वागाकी प
हरामनी ओरनकों साडी उपर्णा पाग पहरामनी देनी। पी
छे आर्ती होय तिलक दक्षिणा होय। पहरामनी देवे की
शक्ति न होय तो तिलक दक्षिणा मात्र होय सवज्ञाति के ए
क एक उत्पादे एसी रीति है तिलक भये पाहिले निपट सगें
होंय ने पाटके उत्पादे ओर सव यथाशक्ति देपी छे आ
छो मुहूर्त होय ला दिन गंगा पूजी होय सूतिका वादि
न चूडा लयो पाहिरे न्हायन ये वस्त्र पहारि के गंगा पूजन

३९ करेंबालकसहितबैठिकेंपूजै।एकघडामेंआंबकेपत्तौ
आमेलेएकनारियलधरे॥सबज्ञातिकीबहुबेटीनकूंबु
णावेसबनकेआयेपीछेंगंगापूजीकरेसोकलशकेजलकौ
पूजनकरेपूआभोगधरेपीछेंआछौदिनदेखिकेंलडि
काकोंबाहिरकाढे॥नवापहिलेदिननिककोसंबंधीहो
यताकेपहांजायकेंजायहांजापसों।एककटोरीकासें
कीचावरभरिकेंदेपीछेबालकवर्षदिनकोहोयतं
हांताईजितनेंपर्वआवेतिनमेंबालककीआलीउ ३९

नारनी।।ओरबालकछेमहिनाकोहोयतवअन्नप्राशनहो
य।।तादिनपुण्याहवाचनभयेपीछेअन्नप्राशनहोय
सोकसारकेपीढापटसाडीयथाशक्तिजिननीवहनिभा
नजीनकोंदेनीहोयइतनीसाडीविछायकेंवापरवालक
कोलेवैठिकेअन्नप्राशनकरवावे।पीडापरविछ्योहोय
सोवेहेंनभानजीनकोनेगसज्ञातिकोठोरअथवापतासा
सीराकछुदे।पीछेआर्तीहोयतिलकहोयदक्षिणामें
त्राह्मनताहोयसवनकोनमस्कारकरे।पीछेवर्षदिनको

४० बालहोयतबमूंडनकर्णछेदनसाथहीकरे।।मूंडनहो
यताादिनचोकपूरिपटूविछायकेंमातागोदमेंलेवेठे
अथवाओरकोईगोदमेंलेवेटे।पीढानपरपटोरा
पालछायलपीरीसाडीयथाशक्तिविछावेएकटो
करीमेगेहूंसेर ५ तथापांचडेलीगुडकीओररु०१
रोकयहूपासहीधरेसोनाऊनकोनेंगतथापटूपर
विछ्योहोयसोहूनाऊकोनेगवापरछछाईकीसोडी
सामर्थ्यानुसारमान्यकोदे।सबज्ञातिकेस्त्रीजनकोबु ४०

लावे। औरसबज्ञातिमें सुहारीवटे ऐसीरीतिहे। मूड
नभयेपीछे गडागडी स्नंन्हवावे बालककों अहवाती
स्त्रीजन मिमिलिकें अथवामूडनतीसरे वर्षे पाचेसा
ते वर्ष सजबसोकर्‍यो होयपीछें बालककोपांचोवर्षे
बेटेनादिन प्रथममार्कंडेयपूजाहोय॥ सबज्ञातिकेंन
कोबुलामनें बडेपुण्याहवाचन होयमार्कंडेयपूजाहो
यआर्तीहोयतिलकहोयदक्षिणामंत्राक्षताहोयंसब
ज्ञातिकेंनको भोजन करवावनों। अथवासगेंनको।

ओरपाचेहीवर्षआछोमुहूर्तदेखिकेंअक्षरादिखवाम
४१ नें।~~पीछेआर्तीहोयतिलककेहोयओरसेवक~~केनादिन
सवज्ञातिनकेनकूबुलामनें। पीछेबडोपुण्याहवाच
नहोय।अक्षरदिखवामनें।पीछेआर्तीहोयतिलक
होय।ओरसेवकेलडुवासवनकोदेनें।एकएकज
नेकूंचारचारलडुवादेनेपीछेमंत्राक्षलाहोय।पांचे
हीवर्षचुटिपाराखनी।लाड्कीमूडनकीसीरीतिचुटि
यामात्रराखे।ओरसववारसहस्रायपडारे।गडग ४१

डीसूंन्हवावे। पूआसवज्ञाति मेवटे। अबजनेऊकीरी
ति॥ जनेऊतें पांचछें दिनपाहिले घरकी विनेकीहोय
मादिनसवज्ञातिकेनको बुलामेपीछेंरात्रिकोसभाहो
य सवनकेआयेपीछें। सेहरावाधिकेचोकपरपट्टाप
र वेटिकेबडोपुण्याहवाचनकरें। तिलकदक्षिणाहोय।
पेहेली विनेकीकी दक्षिणासेजनेऊकीदुनीदेनी। गुं
सांईनकेंरु॰१। पेहेलीविनेककूंभट्टनकेंयथाशक्ति॥
पीछेघोडापरचाटिकेंचलेंसबज्ञातिके आगेचलेंव

४२ जारतांइजांयबहुवेटीडूसाथचलेदारूके।खिलोनाछू
टे॥ पीछेसबनकोंनमस्कारकरेंघरआयेपीछेदारपरे
आर्तीहोय। पीछेसेहरावडोकरिकेसोवे। घरकीविनेकी
केदिनदमीदावटे। तथास्त्रीजनमेंघोडीचढनकीचाद
रवांरनीहोयतोवटे।ओरआछोदिनदेखिकेगणेश
बेटे। सिंघोडा२ चहिये। तेलचढे। हरदीतेलमेलिवे
कोनिकमेंनाकीरीतिव्याहकीरीतिमेंलिखीहै।ओर
प नि[redacted]रनिकरसंबंधीहोय।वहानिकोआदिदेकेति ४२

नकीसवनकीओरतेंहोय।विनेकीपीछेंनानाकीओरते
होयतापीछेंसवनकीहोय।जाकेओरकीविनेकीहोय
ताहीकीओरकोसवपोशाकसवहोय।मसालगीत
गीतगानवारेनकोखरचहोयसोविनेकीवारेको।जा
जाकीविनेकीहोयताकेंघाईसभाहोयसेहराहोय।
पीछेंबजारताईहोयकेंअपनेंघरआमेंआनीहोयसे
हरावडोकरिकेंसोवे।जनेंउकोपहरामनीज्ञातिमेंदेनी
होयसोघरकी५विनेकीहोय।तादिनदेनीसभाकेसमें

पीछेआछोदिनदेखिकेंग्रहशांतिकरे।ग्रहशांतिकोदि
नसवारेगडगडीसूंन्हाय।गुसांईनकेवाहीदिनतेल
चढेओरउतरे।अभिषेकसमेंसगेनकूंबुलामनें।ता
कीरीतिपहिलेंलिखीहैं।ओरजनेऊकेपहिलेदिनवृद्धी
होयताकीरीति।वृद्धिकेपहिलेदिनसगे२नकोबुला
यवेकूंज्ञातिकोमनुष्यजाय।भोजनकरेपीछेंचौतराके
पासविछोनाविछायकेबैठेसबनकेआयेपीछे।स
बनकोंतिलकहोयतापीछेएककटोरामेंपीरेअक्षत

हरदीकीगांठी ५ सुपारी ५ धरे पीछेज्ञातिमे निमंत्रण
करिवेकोंनिकसे। पीछें वृद्धीके दिन सवारे ही गडागडी स्त्रं
लडिकाकोन्हवावे अहवातीस्त्रीजन मिलिकें। पुण्याहवा
चनादि इडा वाचनांत करिकें कुलदेवतास्थापनकी विरिया
लडिकाकेनानाकीओरकी पहरामनी १ पीरीसारीउप
र्णाकी पठामनीसोलडिकाकी मापहिरे। उपर्णालडिकोपिता
आदिकें कुलदेवतापधरावे। ताकीरीतिपहिलेलिखीहे।
पीछेकुलदेवतापधारेपीछेनालकर्म नामकरणअन्नप्रा

शनपाहिलेनभयेहोयतोवाहीदिनकरें।ताकीरीतिहूं
४४ पहिलेंलिखीहै।पीछेंवैदिककार्यभयेपीछेंज्ञातिकेमनु
ष्यदोयज्ञातिमेंबुलायवेकोंजावेजातकर्मनामकरणअ
न्नप्राशनवृद्धिदेखवेकोंतथाभोजनको।पीछेसभाहे
यतासमेंलडिकाकोनानाअथवामामाअथवाउनकीओ
रकोकोईसंबंधीहोयसोपूर्वपूर्वकेअभावमेंउत्तरहोय।
पीछेंसगेंनकोइकट्ठेकरिकेगावतबजावतभातकीपह
रामनीलावेपीरीसाडीउपर्णाकीलडिकाकेपरदादेमेंमि ४४

लतहोंयतिनकूंदेनीउल्या १ पाटकोलतथारु०१ देनोपहरामनीपदायेपीछेंविज्ञाप्तिहोय। वृद्धीकेदिनसभासमे। वारोटासोनामकरणकोनाम। ताकीपहरामनीनिपटसगेहोंयतेसाडीछापाकी १ तथाउपर्णा २ वरकेपिताकोल॰वरकोएसीपहरामनीदेन॰उल्या १ रु॰१) रोकसोझूदे। अन्नप्राशनकीपहरामनीपीरीसाडीउपर्णासगेहोंकीयतेदे। कछुखावबेकोंबतासावा पेंडासगेदे। भैयाबंदनकूंपहरामनी १ पीरीउपर्णाकीवृद्धिकीकरिकेदेनी। पीछेस

ब्सातिकेउत्स्यात•रोकयथाशक्तिदे। पीछेतिलकमंत्रा
४५ क्षताहोय। नामकरणउन्क अग्निरायुष्मानितिमंत्रान्य
ठितासहस्त्राक्षेणेतिमंत्राक्षता। पीछेचक्कीमूसलहोयभो
जहोयताकीरीतिपाहिलेलिखीहे। जनेउकेदिनलडिका
गडगडीस्नान्हायपीछेंवैदिककार्यभयेपीछेंसगेनकों
बुलायकेजेसेंवद्धीकेदिनानिमंत्रणकोनिकरेतेसीहीरी
तिसोंजनेऊकोभोजकोनिमंत्रणकरें। औरवाहीसमें
जनेऊदेखवेकेकूबुलावनआवे। पीछेसभाहोय। तास ४५

मेचौंतराकेपासपक्कान्नटोकरामेंधरिराखे। सेवकेलडुवा।
गूंजा ढोर। सकरपारा। पगेरवाजा। येपांचभांतिकोवडे २
नगदोंयसेवकेलडुआनकोआदिदेके। पीछेसबनकेआगे
येपीछेलडिकाकोपिलान· मालाठाडेरहे। वीचमेब्रह्मचा
रीठाडोरहे लंगोटीपहिरे। लंगोटीकेऊपरपरदनीपीरी
कोरकीअकछरहे। एकओढवेकोउपर्णावेसोइरहे। औरपी
शीकोरकोमुडेसारहेतापरसेहरावधे। एकपरातमेंकुंकु
मकोस्वस्तिककरिकेंब्रह्मचारीकेहाथमेंराखेपिलापक

४६ डेरहे। एकनिपटसंबंधीहोयसोठाडोरहेपास। पीछेपहिलेही
मातामिक्षामेल्ले। ओरसंबंधीस्त्रीजनहोयतेभिक्षामेलेपाट
कोउपर्णाउढामे। कछुरोकयथाशक्तिदे। पीछेपाससंबंधी
ठाडोहोयसोभिक्षाकोकछूपरान्तमेंधरेसोसम्हारिकेंघर
नजायपीछेओरज्ञातिकेस्त्रीजनन ओरहूंसवजाकोभिक्षा
मेलनीहोयसोउपर्णापकान्नरोकयथाशक्तिधरे। पीछें
चोकपरवेठेगटजोडासूंपीछेआर्तीहोयतिलकदक्षिणा
मंत्राक्षताउग्नेतेजास्विनूयहहोय। पीछेसवनकोनमस्का ४६

रकरे। पीछे ज्ञातिको मनुष्य सब ज्ञातिमें बुलायवेको
जाय भोजन के लिये पीछे सबन के आये पीछे भोजन
होय। चोतरा के नीचे ओर ब्रह्मचारी जे वे को वेठे। त
हा चून को चोक पूरिकें पीटा २ विछावे ता पर ब्रह्मचा
री बेटे। बाही दिन जनेऊ भये पीछे चोरी वधे भोजन की
ये पीछे अंचोय के सगरे आवे मंडप के नीचे ब्रह्मचारी
पीठा पर ठाडो रहे जा पट्टा पर बेठिके जें यो होय ठाही
पर ठाडो रहे। पीछे सबन को सुपारी दिये पीछे आने नेज

४७ स्विन् यहमंत्राक्षलाहोयसबनकोनमस्कारकरे। एसे
चारदिनतांईसबज्ञातिकोभोजहोय। पीछेकुलदेवताावि
सर्जनहोयतहांताईसगे २ नकोनित्यभोजनकोबुलाव
ने। मंडपकेनीचेभोजनहोय। पीछेकुलदेवताविसर्जन
कोमुहूर्तहोयलादिनमंडपोद्वासनादिकुलदेवलावि
सर्जनांलकरें। पीछेब्रह्मचारीनित्यहोमकरिवोकरे वि
वाहपर्यंतओरमुंजीमेखलादंडइूराखे। पीछेश्रावणी
प्रथमहीकरे। सोपहलेवर्षगुर्वरज्ञशफकास्तादियहण ४७

संक्रांतिन होय तो करे नहीं तो तीसरे वर्ष करे। अथवा ओ
र मुहूर्त ग्रंथ मो पाकर्म को देखिके करे। प्रथम श्रावणी
होय ता दिन उपाकर्म ते पहिले वडो पुण्याहवाचन होय
ओर सब यथास्थित नहीं मुंजी मेखला दंड नवे होय। तथा
धोती उपरणा को पीन पीरी कोर के नये होय। पीछे श्राव
णी भये पीछे आतीं होय।। कन्यादान में कन्यावाला रेश
मी चूंदडी पेहेरे माथे उघाडे रहे। हरी दरयाई की चोली।
गेहेना। रूपे सोने के वरा ४ रूपे सोन के रखसिया ४

रूपेसोनेकोजो ४ रूपेसोनेकीचोटी २ माथेंकोबांक १

४८ मांगटीका १ ढडी। बंदीकंठमाला। मालाचंपकली। नो

सी। तोडा। पायला जेंहरापगपान। इतनोगहेनापि

नाकी। आडीकोपेहरे। कुलदेवताके आगेकन्यामास

रेको इतनो गहेनापेहरे। तामेंपोलामिनग्नअटलधुसा।

इतनो अधिकीभोजमेसामग्री। अग्योनाकूंमगद। ग्रह

शांतिकूंमगदासमावर्तनकूंसेवकेलडुआ। रद्दीकूंसे

वकेलडुवात· तवाघृरी। भोजनपंक्तिकूंबूंदीकेलडुआ ४८

न· चिलसारून· शिरवरणदूध॥भोज २ चंद्रकलात· वडा
कीछाछ।भोज ३ जलेबीत· कांजी।।भोज ४ घेवरत· चकु
ली कुलदेवताविराजेनहांतांईसंडपनीचेंनित्यभोजनहो
य। सेवबवडीपापडनित्यहोय। विवाहादिप्रस्तावनेंदक्षि
णावटेसोचढतीवटेघटतीनवटे॥ कन्यागहेदक्षिणा॥
निश्चयतांबूलवद्धीकेदिनजालकर्मादिदक्षिणाकन्याद
नदक्षिणा॥ वरगहेदक्षिणा॥ निश्चयदक्षिणा॥समाव
र्तनदक्षि· घोडीचढनकीद·। बडीपढोनीकीदक्षिणा॥

॥ इतिश्रीविवाहादिप्रस्तावनारीतिःसमाप्ता: ॥ ॥

४०

ग्रहशांतिसामग्री ॥ पुण्याहवाचनसामग्रीसंपूर्ण ॥ कुंकु
माक्षत ॥ सुपारीसेर ॥ २ ॥ सरस्योंपै १ भर ॥ नाडा ॥ जीरा
पै. १ भर ॥ लुंगीगज ॥ १ ॥ चोलिया ५ ॥ धोती उपर्णा ग
जीकोछन्नाहाथ १ को ॥ स्नानवस्त्रहाथ ५ को ॥ दस्वा
इलालगज. ॥ चोकी १ ॥ बीडा ४ चावरसेर ॥ ४ ॥ तिलसे
र. ॥ गुडशेर. ॥ बतासासेर १ ॥ घ्रतसेर २ ॥ स्योंडिलकुंभ ४०

त्तिका ।। इंधनचोककूंचून ।। पंचामृत। पंचगव्य। पंचरत्नपु
टी। परिधी। ३।। चरुस्थाली।। पंचवर्णाक्षतपंचपल्लव। पंच
त्वकू। आम्रपल्लव। वंदनवार। पुष्पमाला ५ खुलेपुष्प
दूर्वा। स्रुक्स्रुवा। आज्यस्थाली। इध्म। शालिसेर २।। श्री
फल। छालिया। २। कलशमृत्तिकाको १। कूल्हडा १० रा
मकटोरा १५।। सर्वौषधि। अष्टमृत्तिका। आककीसमिधा
१२।। ढाककीसमिधा १००।। गूलरकीसमिधा १२। छोंकर
की १२ स्कहारी १२ गुलगुलाई ४ चूनकेदीवा १२उरद

५० कीरवीचडीसे०।। सुवर्णकीप्रतिमा १ मासा १ की।। आचा
र्यकृत्विग्दक्षिणा।। ब्रह्मदक्षिणा। पूर्णपात्रदक्षिणा रु० २।
आरतीमेरोक।। आरतीमुद्रिया। भूयसीदक्षिणा।। पूजनद
क्षिणाकोटकारु० ३ ज्ञातिद० पीरीसा ११। इतिग्रहशांति
सामान।। ।। अथसमावर्तनसामग्री।। पुण्याह
वाचनसामग्रीसंपूर्ण।। कुंकुमाक्षत।। सुपारी।। नाडासेर०।।
लिलारीसूतकीगेंद। कारेंऊनकोडोराहाथ २।। को।। भस्म।।
हरदीकीगांठ ५ ब्रह्मचर्यव्रतलोपकृछ्र १२ केरु० १२। वेद ५०

अनलोपैकेवस्त्र १५ केरु॰ १५। नांदीमुखदक्षिणारु॰ १। गजी
छन्नाहाथ १ को॥ धोतीसाधा १ उपर्णा १ मुडेसाहाथ ६
को १ अंगोछाहाथ ४ को १ चांवरसेर २ यवपैसा ४
भर। चनाकीदारकी खिचडीसेर १ गुडसेर १ घृतसेर १
स्रुकस्रुवा। आज्यस्थाली। इध्म १६ समिधा ५ कुशा
सुवर्णमनिया २ सोनेरूपेस्तू मटीवेरकीगुठली १ ता
के वीचमेंछिद्र। थारी १ कांसेकीचावरसेर १ सेहरा १
पुष्पमाला २ वंदनवार। बीडा २ प्रसादीचंदन। मोती

पहरिवेके। शीतलपट्टी १ अंजन। कूल्हडा २ उद्दोदकशीतो
५१ दककेे॥ उदंबरकोदंतधावन। छत्रवांसकोरेशमीवस्त्र
सूमढ्यो॥ क्षूरवछडी १ वांसकीआरसी १ जूतीकोजोडा १
वेलकोगोबर। कूकोडी। उवटना। गूलरकीडार २ सेहकेो
कांटा १ शलालुगल्फ्स १ फूलसहितगूलरकीडार। ना
ऊकोनेंग। नाऊकूंपुरोत १ नामेंगेहूंसेर ५ गुडसेर १।
रु० १ रोक। रूपेकीकटारी १ न० उस्तराकीडांडीरूपेकी।
धोतीउपर्णापेहेरेहोयलेत- पीरीचिठ्ठीहोयसो। वागा १ ५१

पागत॰ जामात॰ उपर्णीत॰ साडीइतनोदेनो। मुंजी मेखला।
दंडा। दस्याकी कोपीन २ रामकदोरा १५ कूलडा ५ पूज
नदक्षिणाकोटकारू॰ १) रोकरवीचउीमे। अन्नदक्षिणापू
र्णपात्रदक्षिणारू॰ २) मौनदक्षिणारू॰ १) पहरामनी।
आरतीमुठिया। आरतीमेंकूरोक। ज्ञातिदक्षिणा।। इ
तिसमावर्तनसामान।। निश्चयतांबूलसामग्रीवदेके
घरकी।। कुंकुमाक्षतनस्पारी।। ज्योतिषीबूंशालतथा
चूंदडी। एकछन्नामेचांवर। = तथास्पारी ११ घरनी।।

५२ आचमनकीलोटी १ थारीगोला ५ की १ थारीश्रीफल
५ की १ मेवाकीथारी ४ मिठाईकीथारी ४ वीडाकीथा
री १ दुलहनिकेवस्त्रगेहेनाप्रसादीमाला ४ वीडा २
मोहोर १। रू०५। न्योंछावर रू० २। ओर थारी मेवामि
ठाईनकी दक्षिणाकोठका। मसाला। पलीला। आस
शवाजी। वादित्रकन्यागरहे निश्चयतांबूलसामान। पुण्या
हवाचनसामानसंपूर्ण। एकछन्नामेचांवर ⟩ सुपारी १
आचमनकीलोटी। दक्षिणाकूरकावोहलसें कुंकुमाक्ष ५२

न॥ सुपारी सेर २ मंडप छवावनो मंडपको नेग मंडप
की तथा घरकी बंदनवार आम्रपल्लव। बीलपत्र। सि
रसपत्र। पीपरपत्र। दुर्वा कुलदेवताकी शाखा करंज
की। पुष्पमाला॥ नाडा ।≈ तिलारी सूतकी गेंद १ कु
शा चांवर सेर ४ गुड सेर १ पूजनदक्षिणा कोटका। रा
मथारी ८ कूल्हडा १० रामकटोरा १० तिल ≈ मूंग ≈
यव ≈ धान व्रीहि ≈ सरस्यों ≈ दूध सेर ०। दही ≈ घृत ≈
गोमूत्र। गोबर। कारे ऊंनको डोरा। हरदीकी गांठी ५

५३ पीसीहरदी = चौकक्रूंच्चून। कुलदेवताकोचित्र। १ पी
ठक १ गणेशकोचित्र १ कलश ४ काष्टकोसूआ १
वीडा २ कुलदेवताकीथारी १ कुलदेवताकेवस्त्र। कुल
देवताकेफूलकूडामेरु० १ सोनेकीटिकडीनाकादार १ से
वकेलडुवा १६ रूई। तेल। कुशाकेकूर्चे ११ चनाकीदार
कीखिचडीसेर ११ नांदीमुखद० रु ११ पीरीसाडी १
उपर्णा २ बडे। पावजकीसाडी २ आलीमुठियामुक्तं
कीमृत्तिका। ज्ञातिद० आर्तीमेरोक॥ इतिवृद्धिसामान॥ ५४

अथवरग्रहेविवाहसामान॥ पुण्याहवाचनसामग्रीसंपूर्ण। इन्हेकोवागा। कुंकुमाक्षतसुपारी। चांवरसेर०॥ वंदनवार।
आम्रपल्लव। सेहरा २ माला ४ नाडासेर०। नाडाछडीकीगेंदसे०।
ज्ञातिदक्षिणा। आरती। मुठिया। आरतीमेरोक। वरकूंहाथ
मेंराखवेकोनिश्चयकोश्रीफलरुपैयाआतिशबाजी। परछीता।
बाजे। वासकोठोकरा १ तामेंचांमरसेर ५ खचडीचनाकीसे०
१६ हरदीकीगांठी १५ सिंघोडा २ सेंदुरसकुड़ा। वरकेघर
कुलदेवतापासधरेहोंयसोवरव्याहकूंचढेतवसंगलेजा

नें सोकन्याके वरकुलदेवतापासधरनें। कांगसी २ गहना
५४ कोबंटा। अंटलपूसा। कन्यागहनेंवृद्धिकूं आयोहोयसो
कंना। कंनाकोजांरा। गुडसेरमिनगू। निश्चयतांबूल
कोछन्ना। मुहूर्तकीहरदीमेंरगेंधोती। उपर्णाहाथदश
के। हरदीनमेंवधूकूंपहरिवेको। दशानोइयाकीचोली। ८
तिनमेंलालदरयाडुकी २ पीरीदरवाइकी २ सुपेदबा
फताकी २ अक्षतपडेतबवरवधूकेहाथमेंराखवेकूंचक्की
मूसलकीरवीचवडीवटेरामें। पीतरकीपरातमेंचांमरेधो ५४

पैसे ५ हरदीकोगोला १ कांसेकेकटोरामेदूधसे० कॉ
रेऊंनकोडोडरा। तितारेसूलकीगेंद १ सूपडी ११ खीचडीच
नाकीदारकीसूपडीमेंभरवेकूंसेर २॥ थारीमेंचूनकेदीवा २१
पानसूंलपेटीशाकुनपिंड ३ कंताकीथारीमेंसेव २१ भॉ
(तींकी। कन्याकेमायेदूढवधरिकेंमार्जनहोयलासमेंकल
शाकोरु० १) कन्यावरणद०रु० १) लार्जदोजकेउपर्णा।
जेष्ठासनकीपहरामनीलाजाभुजाईकीपहरामनी। मो
नद०रु० १) जूवाकीथेली २ मिश्रूकी। तिनमे १ थेली

मेसुपारी ५१ दूसरीमेरु १) रोकटकारु०२के) लग्न
५५ पत्रीकेरु०१२) ब्रह्मदक्षिणापूर्णपात्रदक्षिणाहोम ३
केरु०६) कलशाकोरु १) ॥ इतिविवाहसामान। छोटी
पटोनीसामानपुण्याहवाचनसामग्रीसंपूर्ण। कुंकुमाक्ष
तसुपारी। पुष्पमाला। बंदनवार॥ आम्रपल्लव। द्वारप
रकलश १ सुहारी पांवडांनकी। चूनकेदिवापावडानके।
बाटरुकावनी। आरती २ इधसेर०।। आरतीमेरोक। ला
तिद० न्योछावर॥ इतिछोटीपटोनीसामान॥ अथका ५५

वडसामान॥दुलहानिकेकपडा।नारीकुंजरकोपटोरादस
तोइयाकीचोली २ कीओढनी १ पुनडीकीसाडी १ टोक
रामेंचांमरसेर ५ मेदासे॰ २॥ घृतसेर ११ हरदी=
कुंकुम = हरदीकीगांठि ३५ चूनसे॰२॥ गुडसेर १।
लोनसे॰।बीडा १०० सेहरा २ माला ४ प्रसादीकेस
र।अंजन।नाडा।कुल्हडा ३२ खडीसे॰।नागपसाइ
नकीसाडी १ छापाकी॥ इतिकावडसामान ॥अथबडी
पटोनीसामान॥ पुण्याहवाचनसामग्रीसंपूर्ण। कलशा

५६ बंदनवार। माला॥ आरती २ उआरतीकूं रोक। वाटरूका
वनी। सुहारीपावडाकूं। दीवापावडाकूं। इंधसेर १ मोंहदि
खाईकोगहना। न्योछावरीकूं। पीरीसाडी। ज्वारिरोक॥
शान्तिदक्षिणा। निश्चयकेरूपैयाकीमठिया॥ इतिव
डीपटोनीसामान॥ अथकंनाकीकावडकीसामान॥ डुल
हनिकेकपडा ओढनी जरीकीलेंहगा चोलीपटोरानारी
कूंजरको। पुनडीकीसाडी। नागपसाईनकीसाडी। सु
पारीसेर २ हरदीपीसीसेर०१ हरदीकीगांठीसे०॥ ५६

कुंकुमसे॰ काजर। रुई। तेलसेशी॰१ कुल्हडा २५ बीडा
करारीया २०० चनाकी खिचडीमण १ सुपडी २० चूं
नसेर २॥ गुडसे॰१। मेदासे २ घृतसे॰२। लोनसे॰
जीरासे॰। चामरसेर १५ खडीमाटीसेर॰॥ सेहरा २
प्रसादीबीडा ४ माला ४ जूतीजोडा १ टका ६० का
वडबारे कूंरु॰॥ कावडकेटोकरा २ बांस १ चोंरीकी
चपटियारंगी १ चोरीकोप्पनरंगवो॥ इतिकावड
सामान॥ बडी॰पटोनीकेपहिलेदिनवरको पिलाक

५७ न्याकेघरपठावे ।। कन्यागृहेबडीपठोनीसामान ।। नाई १
कर्मणःपुण्याहवाचन । अग्निमुखसामान । घृतसेर १
पक्को । समिधापलाशकी ४ पंचवर्णकेअक्षतमंडलपूरि
वेको । हाथी २ लिवेंचांमर । स्हारी ७० गुलगुला १४०
चूनकेदीवा २४ सेहरा २ दूल्हेकीतथाकन्याकीपोशा
क । रूपेकीकंदोरीपेटसूंबांधिवेंकूं । सेवकोलडुवा १
वरकेतथाकन्याकेहाथमेरु० १) त० श्रीफल १ नारीकूं
जरभांतपटोराउपर्णा १ बीडाबाटवेके । जूतीजोडा १ ५७

फूलछूटे। नागपसाईनकीचोली कन्याकीआडीकीसाडी
वरकीआडीकी ।। इतिबडीपढोनीसामान।। सवसंपूर्ण ।।
कन्यागरहेविवाहदिनसामान।। पुण्याहवाचनसामानेदो
बडाएकपूर्वाभिमुख एकउत्तराभिमुख। परात १ पीलडी।
चांवरसेर ५ पक्केधोयेपरातमें। हरदीकोगोला १ क
ढोरा १ वांसेको। दूधसेर०। कटोरामें। तितारेसूत
कोगोला १ ऊनकारेकोडोरा धोतीउपर्णाराथदश १०
केमुहूर्तकेहरदीसूंरगे। टोकरा १ वांसकोबडे। ता

५८ मेंचामरसेर ५। पक्के। रवीचडीचनाकीकरवा १ ढीकराको। करवा २ पीतडको। परात १ पीतडकी कटोरा २
कांसेकेबडे। लडुआ १ सेवको। मधु। घृत। दधि। मुकरा १ नथामुकटाकोउपर्णा १ वरकेअलंकार।
नवकुशनिर्मितकूर्च १। कूर्च ८ दूसरे। यज्ञोपवीत १ आतःचूनकी १ मुठिया ४ दहीचांवर आतमिं।
कलशढीकराको १ ताऊपरकुल्हडानथाश्रीफल १ ५८
आम्रपल्लव। सेहरा २ वंदवार उढायवेकूं उपर्णा

तथागेहेना। सिलछोटी १ सप्तपदीमें। सप्तपदीमेंलडु
वा ५ सेवकेन· लडुआ ७ सेवकेओराजमले १२ प्रसा
दीचंदनन· मालापुष्पकी। अंतःपुटकीचादर १ सुवर्ण
कीठिकडी १ मोहोर १ कन्यादानकीदक्षिणा। हरदीकी
गांठी १० कंताकोजीरा। अक्षतडारनी। विरिपाहाहमें
राखवेकूंचक्की। मूसलकीरवीचडी। वरैरामें सूपारीसे·
१ अक्षत। कुशाकीईडुरी १। समिधपलाशकी २ मू
दडी १ कुशाकोयोक्र १ अग्निमुखसामा ३ स्थंडिल

मृत्तिका। होमकूंघृतसेर २॥ पंचरत्न। भूंजीव्रीहिसेर२०॥
५९ आर्तीचूनकी १ उलूखलतथामूसलकाठके। लोटी १
चरूस्थालीकुंपीलडकी। निम्बयतीबूलकोचांवरसूपारी
स्रूआच्छन्नासिधोडा २ सेंदुस्रुधांतथाकोंठासी २ गो
रआगेंधरीरहे। सूपडी ११ जूआकीथेली २॥ चोंरी
ठीकराकीवेंधावनी। स्थालीपाकभयेपीछे॥ इतिवि
वाहसामान॥ जनेंकुमेंतथाविवाहमेंकन्यागृहेजा
तकर्मादिसहितवृद्धिसामान। वृद्धिकीसामातोग्र ५९

थमलिखीहेनाप्रमाणसंपूर्ण॥ विशेषमेंअथजातकर्म
सामान। मुदडी १ मधुसे०। दधिखासाको। कटोरी १ कॉं
सेंकी॥अथनामकरणम्॥ थाली १ कांसेकीलामेंचांव
रसेरकपडास्फेदगज १ मुदडी १ पीरीसाडीकीपहराम
नी १। अथान्नप्राशनम्॥ कसारकोपीतामण०॥कोक
चेको। वेहेनमांजीहोंयतितनीसाडीछापाकीकांसेको
कटोरा १ लडुआ १ सेवको। मुंदडी १ बीडा। पुस्तकको
श्रीभाभगवतकोस्पर्शकेलिये। इतिअन्नप्राशनसा

मान। चौलोपनयनसामान। आदौ पुण्याहवाचनसामान।
६० झारी २ पीतलकी। थाली २ कांसेकी। कटोरा २ कांसेके।
पीढा २ काठके। पीरीसाडी २ लंगोटी २ पीरीकोरकी।
स्रुक्स्रुवा। आज्यस्थाली। इध्म १६ परिधि ३ आ
घारसमिधा २ कुश। यवसेर०। स्थंडिलमृत्तिका।
कुल्हाडा २ सेंहकोकांटा १ गोमय। क्षुर। घनसेर २
पक्केनवकुशाकेकूर्च १ थारी १ कांसेकी। धोतीतथा
उपर्णातथामुंडेसापीरीकोरछेडाकेपालाशदंड १ पा ६०

षाणकी सिल १ मौंजीमेखला १ अजिनमृगको १ गा
यत्र्युपदेशमेंआछादनवस्त्र। शाल। १ नवी। नवीचादर
सुपेदबडीपारीकोरकी १ अंतःपुटकीभिक्षाकूंपोलड
कीपरात १ बडी। सूतकी गोद १ यज्ञोपवीत १ का गा
यत्र्युपदेशकीदक्षिणामोहर १ भूयसीकूंटका। स्र
पारीसेर १ पक्को। कुंकुमसेर०। अक्षत। गूलरकीडा
रफलसहित १ सेहरा १ दर्भपिंजूली ६। चोरीठि
कराकीसेहरा १ चांवरसेर ३ पक्के। गुडसेरपक्को।

६१ ॥ आम्रपल्लव। समिधाअग्निकार्यकूं समिधा १६ डार
सपत्र उडुंबर की। वा पलाश की १। आनी चूरनकी १
द्वादशाब्द कृच्छ्र प्रत्याम्नाय द्रव्य। उपदेश गोदान निष्क्र
यद्रव्य। इति चौलोपनयन सामान॥ ॥ उपनयना
नंतर. चतुर्थे दिन मेधाजिनकर्म सामान॥ सपत्र पला
श शाखा १ चांवर सेर ६ पक्के। कुंकुमाक्षत। स्रुक् स्रु
वा। आज्यस्थाली १ इध्म १६ परिधि। ३ आघार स
मिध २ धोतीत. उपर्णापीरी कोर के। मेखला मौंजी ६१

अजिन। पालाशदंड सवनये। घृतसेर २ पक्को। गणवा
दिदेवता ४ के पूजन। दक्षिणा के ठ ४ अग्निके परिस्तर
णकूं स्रुहारी १६ गुलगुला ३२ गोदान निष्क्रयद्रव्य। स्रु
पारी सेर १ पक्के। कुश। आंबाके पत्र। टका भूयसी। आ
र्लीचूनकी १ इतिमेधाजिनसामान॥ घरकी विनेकी
नाकोसामान॥ पुण्याहवाचनसामान। झारी २ पीनउ
की। थारी २ कांसेकी। कटोरी २ कांसेकी। पीढा २ का
ठके। साडीपीरी १ आंबाके पतुवा। कुंकुंमअक्षत। स्रुपा

६२ रीसेर १ पक्को। गुडसेर ०॥ पक्को। चांवरसेर॥ पक्को। ट
का भूयसीकूं। ज्ञातिदक्षिणासेहरा १ तथा पुष्पमा
ला। वरकी पोषाकसूथनस्कधा। ज्ञातीजोडाबना=
ती १ दारूकी आतशबाजी। मसालकोंकडा। सामर्थ्य
होयतोभैयावंदनकूंबागा। तथाज्ञातिपहिरामनी मुखि
याभीतरीयात आश्रितनकूंपेहरावनी। वरकीअथ
वाबारीचूनकीआर्ती १ मुठिया ४॥ इतिघरकीवि
नेकीसामान॥ ॥ कुलदेवताविसर्जनसामान॥ ६२

कुंकुमसेर०। अक्षत। सुपारी नं० ३२ टका ३२ गुडसेर १
पक्को। कासेकी थारी १ तंडुलसेर १ पक्को। हरदीकी गांठी ५
कुशकूर्च १ भस्म। बीडा १ इतिकुलदेवताविसर्जनसा
मान ॥ अलूफासामान। गेंहू कोचून। चांवर। मूंग। दारि
मूगकी। दारितूअरकी। दारिउडदकी। खांड। घी। गुड।
मेदा। बेसन। दाणाबेलको। लोंन। हरदी। हींग। तेल। जी
रा। मेथी। आदावासोंठ। शाक। चनाकीदाड। बनोरा। क
कडीखरबूजाजो मिलैं सो सुपारी। लोंग। इलायची। बडी

६३ सेव। पापड। पातरदोन॥ नीबूरोकरु॰ ३१ बाढिकूंसेव २१
भांतकेअगोनीकूंअलूफादेनोतोकीविगत। तोलभंडार
को। चावरमण १ दांणावेलकोमण १ हींगसेर॰। पाव।
हरदीसेर १ दोना १०० मूंगमण १ चूंनगेंहूकोमण १
लोंनआखोसेर ५ राईसेर॰। पाव। पातल ५० रुपेया
रोक ३१ घतमण १ गुडसेर १० तेलसेर ५ लोंनपीस्यो
सेर १ रामकटोरा ५० अगोनीकेदिनभीतरियाकूं
हाथधुवायकेंकामलामेंचपरियापनाकीसेर १ बूरो ६३

कोपनामेदाकीपूरी १०० चूनकी ५० सुजेना २ शाक २
पठामने। पीसेलौंनसूद्धा॥ सामानकी विगतसवप्रस्ता
वकी संपूर्णभयी॥ ॥ अथविवाहमेंबडुबटीन
कीरितिविशेषलिख्यते॥ अगोनीकूंद्वारपरवरआवे
तवकन्याकेसंबंधीगेहेनादेवारोकदे। बरूबटीकन्याकूंगो
दमेलेलासमेंकन्याकीगोदमेधारी ५ दे। नारियलगोला
टाकी १ वीडाकी १ खिलोनाकी २ दमीदाबनासाकी १
याप्रमाणदेने॰ फिरिवरकी आडीतेंतथाकन्याकीआडी

६४ नेबलासावटे ।। गणेशबेठके ढोसगी दोडाबटे । न· तिलचां
वरी। गीनतथाकढाईलथाटोलकेबलासाबटे ।पुरोलचांव
रमण १ । गुडसेर ५ रोकरुपैया ५ । यहआधुनिक
शांतिहे । कढाईकोपुरोलभीलरियाको । ढोलकोपुरो
लगांवलहारिवेको ।पुरोल २ मान्यके । समावर्त्तनकूंपु
रोल १ न· रूपेकेउस्तराकोलथारूपेकीकटोरीकोरो
कनाऊकूंदेनो । वरकेघरग्रहशांतिन· वृद्धित· समाव
र्त्तनन· विवाहलथापढोनीकूंवरकडगडीसूंन्हाय ।। क ६४

त्याहूंएसेहीन्हाय। एकसमावर्त्तननही। सावोनीहद्दीकूं
वठे। गणेशावेटेतादिनहूंनानाकीआउीतेंसावोनीवटेनन्या
वरसमर्थहोयंतो। दमादाचोडेव्याहकेघोडीचढतकेबेटे।
बडीघठोनीकूरंगमेवाअथवाइलायचीदानावांटेवरके
आउीतेंघोडीगावे। कन्याकीआउीतेस्हागगावे। निश्च
यतांबूलकेदिनथारीशक्तिहोयतो २५० वा २०० नहीतो
१००। निश्चयतांबूलकूंबेटीडुलहनिकूं २ विरियागोदले।
तामेप्रथमगोदलेतासमेकन्याकीसासससाउीछापाकांदि

६५ त॰ चूंदडीलालसूतरूउठावेतगेहेनाकछु।थारी।५ता
मे१गोलाकीत॰ ३ बीडाकीत॰ मिठाइकीत॰ कुंकुमाक्षतकी
थारीदे।ओरनिपट सगे होंयसोसाडीत॰रू॰ १।रोकदेया
रीतिसूंपुरुषव्यक्तिमेंदे।पुरुषनमेंगोदमेंएकाविरियां
वेठावे।बहूबेटीनमेवेठायपुरुषनमेबेठावेफेरबहू
बेटीनमेंबेठावे।गुसांईनकेघरयहभांतिकूंतेलच
देत॰उतरे।।निश्चयतांबूलकूंगोदमेंवेठवेनीविरिया
सासनेंचूंदडीसूतरूलालउढाइहोय सोसोवद्धीके ६५

।दिन मढ गडीस्नू न्हापकें कन्यापहिरे। हाथनमें चूडीकी
जघें गोहेंनापहिरेपोतनहीं। ढुढाकीसभासमेंवरकेउहा
कूं वरकेनानाकी आउ।कोभातदेनो।भातदियेनेंपहिले
भातन्योंतवेकूं वरकन्याकीमाता अपनेंपीहरीयानमेंगा
वतजाय। चक्कीमूसलकीआरतीसमेंथारीमेंचनातथा
ज्वारित॰मूदउ॥१॥ओरिकेवेहनेवेटीहोंयसोवरकन्याकेमा
तापितागटजोडास्नूंबेठेहोंयतिनकेऊपरफटकोसोसु
दउवेहेनवेटीकोनेंग।ढुढाकोभोजनभयेपीछेंवरकेघर
वरकीमाताकन्याकेलियेअंटलपूसामंडपनीचेपरावे।

६६ तामे सोने के मणिका २ मोती १ परोवे ओर वृद्धि के दिन क
न्याके घरतें उर्द्की सभांतिकी सेव थारीमें धरिकें तथा सेर सेर
के पापड उर्द्की सरसेंदुरके पांच पांच पकाकरके वरके घर
सीधाके संग पठावे सो सेवकी माता वर व्याहवे च देतासें म
गारि वि वरके संग चले सो कुलदेवताके आगे थारी कन्याके
घर धरें। सो थारी पठोनीकूं वरके घर आवे तब वरकी माता
हाथमें लेके वरके घर आवे। ओर वृद्धिके दिन सेर सेर के पा
पड आये होय सो टूक टूक करि जातिमें वटे॥ शकुनापिछू द
नकी थारीमें चिडी चूनकी ३ दीवडा २१ कारके धरे। चिडीनके ६६

पेटकेपान १ एकवारधेसोथारीव•रव्याहकूंचढेलास
मेवरकेघरतेपहिलेसूंकन्याकेघरजाय। वरकीथारीमेंसूं
काटिकेकन्याकीथारीमेंधरेंसोथारीकन्याकेघरचोतरा
पेधरिजाय। विवाहकेदिनकन्यागडगडीसूंन्हायकेरे
शमीलालचूंदडीतथाहरीदस्याईकीचोलीपहिरे। चूंद
डीकमरसूंबांधेमाथेउघाडेरहे। विवाहकेदिनवरव्या
हवेकूंकन्याकेघरआवेतासमेंकन्याकीमाताप्रभृतिस
बबडूबेटीमिलकेंसमधिनकेसाम्हेंजायपांमनपडिकें
सम्मधिनकूंघरमेंलावे। अक्षतडारेपीछेवरकुलदेवताकूं

नमस्कारकरिकेंबाहिरजायकेंपारेधोतीउपर्णापहिरे।क
६७ न्याकोगेहेनावरकीआडीकोहोयसोवरकुलदेवतापा
सगोरहोयताकूंलगायदेतोजायसोवरकीमाताकन्या
कूंपहरावे।अंतःपटहोयतासमेंघंटाबाजेपहिलेसमधि
नथारीचोरे बाहीथारीमेंभोजनपंक्तिकेभोजनमेंसमधि
तजेवेवातईथारीमेंजेंवे।हरदीनमेंवरहेसोकन्याकीचोली
कीतनीरखोले।आपसमेंवरकन्यातेलमेले।पेहेलीमांगव
रकाढे।कांगसीहोय।एकसोनेकेटिकडीआधीपावली
बराबरताकेंनाकालग्यो।ताकोनामभिनगूसोनाडामें ६७

परोयवें कन्याके गरें बाधने। पीछे दोऊनको श्रृंगार हो
य। पेहेली हरदी कूं वर हेसो अंटल पूसा मिनगू कन्या कूं
पहिरावे। आपमकूं कमस्तूं पाखरवगे। पीरी कन्याकी मा
झाडे। पीछे आली होय। राइलोन होयसो आपसमे करे।
पीछे वर कन्या दोऊ अपने सासरेन के संबंधीनकूं हरदील
गावे। पीछे दुल्लह कन्याकूं गोदमें बेठावे अपने संबंधीन
में। पीछे भोजनके समें कन्या सासरे के ससरे के संबंधीन
कूं हरदीलगावे। वर हेसो कन्याकूं गोदमें बेठावे। अप
नै संबंधीनकी। भोजके समे कन्याकी माना होयसो वरकी

मातकेन • वरकेसंबंधी बऊबेटीनके पावकूंकमसूं रगेतथा
६८ आरतीकरे। चौथा हरदामेंरंग की होरी खेले। होरीखेलेपी
छेभीजेहो। कपडानस्ूंकंता आंजेनाकीरीति। चोलराकेनी
चैचोककरिपीढा परवधूगठजोडाकरिबेठे। दोयबऊबे
टीवरकी सगीहोय सोवरकीआडीबेठे दोयकन्याकीसगी
होंय सोकन्याकीआडीबेठेपीछेनागपसाईनहोयसोआ
रतीकरे। पीछे चोनरापेकाबडीकोसामानधर्‍यो होयसो
ओरववरवधूकेकपडाधरेहोंय सोसबएकटोकरामेधरेहो
यसोउपाध्यायपढावे। तापीछेंभोजहोय भोजभयेपीछेंहो ६८

धीमडे। बडीपठोनी कूं गोरी कूं वरकन्या सेंदुर चढावे। ता
पीछे जाति की ज्ञिलनी एह वाती बहुवेटी होयते चढावे। वी
डावाटेसोस्सगेंनकूं ४ दे ओर नकूं २ याप्रमाण सवनकूं व
रकन्या दोऊ दे। दुलेहनि कूं निश्चें तांबूल के दिन जो कछु आ
यो होय तथा सगाई को तथा अगोनी को जो आयो होय सो
गहेना कपडा रोकस बपठोनी कूं कन्या वारे वर के घरय जे
के संग ले जाय। सब ज्ञाति के अपने अपने घर जाय। तापी
छें वर वधू के ऊपर वर के माता पिता पीरी सालवारें ज्चार
के टोकरा वारें। पीछें वर के माता पिता वरकन्या कूं गोर

में लेकें नाचे। पीछे कुलदेवताकूं नमस्कार करिकें गांठ छो
६९ डे। तासमें वरके संगें होंयसो मोहर दिखाई को ठेहेना दे। पी
छे वरवधूकूंवे कपडा उलरायकें ले हे गारेशमीतथा चोली
दसलो इयाकी लालरेशमील· ईदर विन्याकी पुलडीकी साडी
पेहेरावे पीछें पेटके कटोरी लडुवा बांधे होंय तेखोलकें ल
डुआमेंसूं कोर ५ वधूकूं भरावे। कटोरीमे दूध भारिके रूपे
को माठिया होयतासूं वधूं हे सो आपनी सासरे की बहू
बेटीनको पेट धोवेदूधसूं। पीछे रंग मेवावटे। बहूको
नवीन नामधरे पीछें सबबहूबेटी अपने अपनें घरजा ७०

य। गंगापूजीके दिनसब कलशादिक होय सो पंड्यानीकोने
अथवा जलघरियानकूंनें गदे। बडीपठोनीके दिन। बहूबे
टी मंडलकी प्रदक्षिणा करे। सो पाचजनी एहवाली फिरें नदु
ल्हेदुलहनि संग फिरे। कन्याकी माताके हाथमें मथन रहे।
वरकी माताके हाथमें हैं सेंहरान• बीडाको टोकरार हे। क
न्याकी आडीकी बहूबेटीके आगे हाथमें दुल्हेदुलहनिके
कपडा रहे। वरकी आडीकी बहूबेटीके हाथमें गेहनाको
बंटा रहे नागपसाईनके हाथमें जलकी झारी रहे। प्रदक्षि
णा ३ फिरे। पीछें ओर बहूबेटी भीतर जाय। कन्याकी

मातालनागपसाईनवाहिररहे। पीछेकन्याकीमातापुर
७० लूचोरेनाकीरीति। वरवधूचौतराकेआगेंचोकपरवेठे। क
न्याकीमातामथनीलियेमंडलकेबीचमेंपूर्वाभिमुखठाडी
रहे। तासमेकन्याकीमाताकेपीहरियाहोयसोसाडीउ
पर्णापेहरामनीदे। सोपहरामनीमथनीपेधरतेजांयसो
नागपसाईनउतारधरेपीछेंमथनीमंडलमेंधरिदे।
पीछेनागपसायनहोयसोकन्याकीमाताकीअंजलीमें
फूलतथाझारीकोजलदेंतोजायसोकन्याकीमातापीछे
कीआडीउछालदेसोवरवधूउठिकेऊपरपडेएसेंता ७०

नाविरियाउछाले। पीछेकन्याकीमाताभीतरजाय। पीछेव
रवधूउठिकेशृंगारकरे गोनाहोयतबदलमदेनाकीरीति॥
गोनाभयेपीछेआछ्योमुहूर्तदिखायकेंनादिननेंतीनदिन
तांइदलमदे। जास्त्रीकोगोंनाभयोहोयताकूंकपडा ४ सा
डीत· लेहेंगात· चोलीत· चादर पेहेरायके। चनाकीखिचडी
कीटेरी ३ करिताऊपरदुलहनिकूंपांवधरायकेंराक कोठामें
बेठावे। कोठामेजायकें वेकपडाउंनारिकें दुल्हेकीधोतीहो
यसोपहरे ओरदुल्हेकोउपर्णाहोयताकेचारछेडाकेंचना

७१ कीरवीचडीबाधिकेंविछायकेंवाऊपरवेठेगोनावारीस्त्रीकेंदोऊ
ओरक्वारीकन्याबेठावे।तिनकोनामबलकन्ते।।उनकन्यानकूंओ
ढनीदेनी।।पीछेंआस्त्रीको।।ऋतुगयोहोयसोस्त्रीतीर २ लेंकेंक
च्चेदूधमेंडुवोयकेंगोनावारीस्त्रीकूंपावपेत·घोटूपेत·माथेपे
छांटादूधकेवरे ३ नारवेछेलेदिनदलमउतारेतवेऊपरतेंनी
चेतांइछाटानारेवा।।पीछेंआरतीउतरे।यारीतिसूदिन ३
करे।दिन ३ तांइबढुवेटीनकोभोजहोय।।पेहलेदिनरवी=
चडीपूआकोपीछेदिनदोयमूंगभाततपूआको।।पूआकीवा ७१

यनवरे ॥ इतिदलमल्हरीतिः॥ ॥ गोनादेनाकी विगत ॥
गुसांइनकीदोहितीनकूंबापकीआडीकीसाडी ५० तथानन्या
वरेकेआडीकोसाडी २५ जमले ७५ साडीतेंआडीतेआधे
लेहेनातथाचादरदेनी।साडीतेदूनीचोलीदेनी।वासनमेंहां
डा १ त० कडछी १ त० कटोरा १ पीतउकेदेनेतथाकाजरटी
कीकोबंटा १ तथापलंग १ साजस्हृदादेनो॥तथाबहुआ
२ बेटीतथाजमाईकूं।तथाजमाईकूंपोशाकत० जमाईकें
दादेकेपेटकूंसाडीउपर्णाकीपहरामनी।तथाव्याहमेंसम

७२ वौदियोहोयतिनबडुबेटीनकूंपायलगायेकीपहरामनी।त॒
थागेहेनाबेटीवूंसोनेको १ भारीन॰अनवय्योछियान॰टीकीज
डावकीपांचसूं ओछीनही।वीससूंरूअधिकनही॥तथारूपे
कोप्यालातेलमेलवेकूंतथारूपेकीआरसीछोटीसीदेनो॥गर्भा
धानओररुतुकेदिन ३ मेबडूकूंपेहेरवेकूंरेशमीकोरकीम
ध्यकीधोनीन॰उपर्णानकेदिनारात्रिकूंबडूआवेतासमे।पलं
गपेबेटकेगठजोडासूंआरतीहोय।बडूकूंसवागा १ देनो
तथागेहेना १ देनो।मिठाईदेनी।जितनीबडूबेटीबडूकूं ७२

पोहोचावे तिन मे मुख्य होय तिन कूं साडी चोली देनी। बेहेन वे टीनहोय नो काई एह बानी पोहोचाय वे आवे ना कूं साडी चोली देनी। गर्भाधान की सभा समें आर्ती मे जो रोकडा स्यो होय ना सूं आधो रातिकूं आर्ती होयना समे डारनो॥ सामग्री को नोंध॥ अगोनी कूं मगद के लडु आनग। १०० मेदा की पूरी २०० ब्राह्म कूं सेव के लडु आनग २०० पूरी ४०० भोजन पंक्ति भोजकूं हाथ मे दे। अ ऽं होमुच मांय ह मंत्र पढि के देय। ओर कहे जोक विषयत्वं निश्चिंतो भव। पीछें वर को पिना ज्योतिषी कूं शाल

बूंदी केलड्डुआ नग २०० पूरी ४०० दूसरे भोज कूंचद्रकला
७३ नग १०० पूरी ४०० तीसरे भोज कूं जलेबी घेरा नग १००
पूरी। ४००॥ ॥ इतिगोनादेवेकीरीतिः समाप्त॥
अथ निश्चय के प्रस्ताव की रीति॥ ॥ जादिनसगा
इहोयतादिन निश्चय होय॥ दूरदेश होय ओरवादिन
नभयो होय तो अगोनी नें पहिले निश्चयको प्रस्तावले
य॥ पहिलें सूं सवज्ञाति में ज्ञाति कें होय सो निश्चय दे=
खिवे को बुलाय आवे। पीछें समें होय नवकन्या के घर ७३

नथावरकेघरविछौनाहोय। पीछेकन्याकेसगेहोयते
कन्याकेघरजांय। ओरवरकेसगेनथासबझातिकेंवर
केघरआवे। पीछेंवरकेंइहांतेवरविनावरकेपिताप्रभ
तिसबसंगाजेवाजेसूंढांकन्याकेघरजांय। पीछेनिश्चें
तांबूलकीनाईकन्याकेपिताकीआडीतेप्रश्नहोय। वर
केपिताकीआडीतेंविज्ञप्तिहोय। पीछेकन्याकोपिता
ज्योतिषीसूंपूछेजोआछीमिलेहेनववहकहेजोअ
त्यूत्तममिलेहे। पीछेसर्वकूंतिलकहोयसूपारीदे। पी

७४ छेंबहूबेटीनमेंकन्याकूंवरकीमाप्रभृतिगोदमेंलेतथागे
हेनाकपडाचढावेबतोसावाट ओरवरकेपिताप्रभृति
सबज्ञातिकेगाजेबाजेसूंपाछेंयवरकेघरआवेबिछो
नापेवेटे। वरकूंकपडापहरिकेवेटे। पीछेंज्योतिषीहो
यसोकन्याकेपिताकेघरतेंनिश्चयकोनारियल १ त
थागंधाक्षतकीथारीलेकेंवरकेघरआवे। पीछेंज्योति
षीवरकूंतिलककरिकेरूपेयानारियलवरकेहाथ
मेंदे। ॐ ह्रीं मुचमांप्रह मंत्रपढिकेदेय। ओरकहे ७४

तथारूपेया १)

जो कन्या विषयत्वं निश्चिंतो भव। पीछें वरको पिताज्योति
षीकूं शालत ·मुद्दडीदे। पीछे सब ज्ञातिकेंनकूं तिलकहो
य यथाशक्ति दक्षिणा वटे। निश्चयकी दक्षिणा हाजरहो
यतिनमात्रनकूं। चढनीकीदक्षिणाकी गिनतीमेनही।
मं त्राक्षताहोय। पीछेनमस्कार करि सबज्ञातिके अप
नेंघर जांय। बडूबेटीकू कन्याकूं कपडा चढायके अप
नेंघर आवे। पीछें निश्चयको रु·१। नारियल्लराखिध
रे सो विवाहके दिनजबवरव्याहिवे चढेंनवहायमेरा

रवे। पीछें निश्चयको रूपैया नो डिके मठिया बनवावे। सोब

७५ डी पठोनीकूं कन्यापहरिके सासरे जाय प॥ ॥ ॥

॥ इतिश्रीनिश्चयनारियलकीर्तिः समाप्ता॥